मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 104
शुक्रवार, 25 अक्टूबर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

महाराष्ट्र में 85-85 सीटों पर लड़ेंगे एमवीए के तीनों दल, संजय राउत बोले- हमारी एकता लोगों के सामने आनी चाहिए

मुंबई, 24 अक्टूबर। महा विकास अघाड़ी गठबंधन जिसमें कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार गुट) और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) शामिल हैं आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में 85-85 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। शिवसेना (यूबीटी) के संजय राउत ने पुष्टि की। उन्होंने कहा कि एमवीए की एकता लोगों के सामने आनी चाहिए और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव बिना किसी बाधा के होने चाहिए। उन्होंने कहा कि कल एक्स पर एक लिस्ट आई थी, उसमें सुधार करना पड़ेगा क्योंकि उसमें जरूरत है। आज किया जाएगा।

संजय राउत ने कहा कि तीनों पार्टियों के लिए 85 सीटों पर हम आम सहमति पर पहुंच गए हैं और आज शाम तक बाकी विधानसभा क्षेत्रों में काम पूरा हो जाएगा। हमारी छोटी पार्टियों को भी सीटें देनी होंगी। उस पर भी हम चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि हम कल शरद पवार के साथ बैठे और उन्होंने हमारा मार्गदर्शन किया। हम चाहते हैं कि यह विधानसभा चुनाव बिना किसी बाधा के हो। हमारी एकता लोगों के सामने आनी चाहिए। चलिए हम फॉमूर्ले की बात नहीं करते, आज शाम तक सब कुछ हो जाएगा, चिंता की कोई बात नहीं है।

इससे पहले बुधवार को संजय राउत ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 100 सीटें जीतने का भरोसा जताया था। शिवसेना (UBT) ने चुनाव के लिए 65 उम्मीदवारों की सूची जारी की है। इस सूची में आदित्य ठाकरे और सुनील राउत शामिल हैं। आदित्य ठाकरे वर्ली विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है, जो 20 नवंबर को होगा। महाराष्ट्र विधानसभा में 288 सीटें हैं। नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

अमेरिका हो या चीन कोई भी देश भारत को नजरअंदाज नहीं कर सकता : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत की प्राथमिकता प्रभुत्व स्थापित करना नहीं बल्कि अपने प्रभाव को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि अमेरिका हो या चीन कोई भी देश आज भारत को नजरअंदाज नहीं कर सकता।

सीतारमण ने यहां सेंटर फॉर ग्लोबल डेवलपमेंट द्वारा आयोजित ब्रेटन वुड्स एट 80: प्रायोरिटीज फॉर द नेक्स्ट डेकेड में परिचर्चा के दौरान ये टिप्पणियां कीं। सीतारमण ब्रेटन वुड्स संस्थाओं की वार्षिक बैठकों में हिस्सा लेने के लिए मंगलवार को यहां पहुंची थीं।

उन्होंने कहा, भारत की प्राथमिकता यह दिखाकर अपना प्रभुत्व स्थापित करना नहीं है कि भारत सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, हमारी जनसंख्या सबसे अधिक है। बल्कि हमारा लक्ष्य अपना प्रभाव बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि दुनिया में हर छह में से एक व्यक्ति भारतीय है, आप हमारी अर्थव्यवस्था और जिस तरह से यह बढ़ रही है, उसे नजरअंदाज नहीं कर सकते। भारत क्या मार्गदर्शन की स्थिति में इस सवाल पर उन्होंने प्रौद्योगिकी में देश की अग्रणी भूमिका का जिक्र किया और कहा कि भारतीयों के पास जटिल कॉरपोरेट व्यवस्था को चलाने के लिए एक प्रणाली है। उन्होंने कहा, आप वास्तव में इसे अनदेखा नहीं कर सकते। अमेरिका जैसा दूर स्थित देश हो या चीन जैसा पड़ोसी, कोई भी देश हमें अनदेखा नहीं कर सकता।

जीएसटी विभाग ने त्रिशूर में अभियान के दौरान 120 किलोग्राम सोना जब्त किया

केरल, 24 अक्टूबर। सोने के व्यापार के लिए मशहूर त्रिशूर में केरल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के अधिकारियों ने सोने के आभूषण की निर्माण इकाइयों पर छापेमारी कर 120 किलोग्राम सोना जब्त किया जिसके बारे में कोई हिसाब नहीं था।

इस अभियान को टोरे डेल ओरो नाम दिया गया है जिसे राज्य में अपनी तरह का सबसे बड़ा अभियान माना जाता है। बुधवार शाम शुरू हुआ यह अभियान बृहस्पतिवार को भी जारी रहा और इस दौरान 700 से अधिक अधिकारियों ने पूरे मध्य केरल जिले में विनिर्माण इकाइयों और जौहरियों के घरों सहित लगभग 78 स्थानों पर छापेमारी की।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, अधिकारियों ने सोने को जब्त करने के अलावा बिलिंग और कराधान प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण अनियमितताएं पाईं। जीएसटी के विशेष आयुक्त अब्राहम रेन एस के नेतृत्व में यह व्यापक छापेमारी की गई। सूत्रों ने बताया कि छापेमारी की गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए राज्य भर के अधिकारियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के बहाने त्रिशूर बुलाया गया और स्टडी टूर लिखे बैनरों के साथ बसों में विभिन्न स्थानों पर ले जाया गया। राज्य जीएसटी इंटेलिजेंस कमिश्नर दिनेश कुमार ने बताया कि अभियान टोरे डेल ओरो जारी रहेगा।

यूपी में उपचुनाव नहीं लड़ेगी कांग्रेस, अखिलेश यादव की सपा को समर्थन देने का किया ऐलान

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। कांग्रेस ने आगामी उत्तर प्रदेश उपचुनावों में उम्मीदवार न उतारने का फैसला किया है और अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी (सपा) को समर्थन देने की घोषणा की है। सपा ने पहले ही करहल, सीसामऊ, फूलपुर, मिल्कीपुर, कटेहरी, मझवान और मीरापुर से अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। एआईसीसी प्रभारी उत्तर प्रदेश, अविनाश पांडे ने कहा कि आज, वर्तमान राजनीतिक और सामाजिक तनाव में और जिस लक्ष्य के साथ इंडिया गठबंधन का गठन किया गया था - जिस तरह से हमने आज लोकसभा चुनाव लड़ा - यह संगठन और पार्टी के बारे में नहीं है।

अविनाश पांडे ने आगे कहा कि हमने फैसला किया है कि उत्तर प्रदेश में, कांग्रेस पार्टी अपने उम्मीदवारों (उपचुनावों के लिए) को मैदान में नहीं उतारेगी और इंडिया गठबंधन के उम्मीदवारों को जीतने में मदद करेगी। इससे पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा कि बात सीट की नहीं जीत की है इस रणनीति के तहत इंडिया गठबंधन के संयुक्त प्रत्याशी सभी 9 सीटों पर समाजवादी पार्टी के चुनाव चिन्ह साइकिल के निशान पर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी एक बड़ी जीत के लिए एकजुट होकर, कंधे से कंधा मिलाकर साथ खड़ी है। इंडिया गठबंधन इस उपचुनाव में, जीत का एक नया अध्याय लिखने जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से लेकर बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं के साथ आने से समाजवादी पार्टी की शक्ति कई गुना बढ़ गयी है। सपा नेता ने दावा किया कि इस अभूतपूर्व सहयोग और समर्थन से सभी 9 विधानसभा सीटों पर इंडिया गठबंधन का एक-एक कार्यकर्ता जीत का संकल्प लेकर नयी ऊर्जा से भर गया है। उन्होंने कहा कि ये देश का संविधान, सौहार्द और PDA का मान-सम्मान बचाने का चुनाव है। इसीलिए हमारी सबसे अपील है : एक भी वोट न घटने पाए, एक भी वोट न बँटने पाए। देशहित में इंडिया गठबंधन की सद्भाव भरी ये एकता और एकजुटता आज भी नया इतिहास लिखेगी और कल भी। वहीं, आज राहुल गांधी के साथ फोटो साझा करते हुए अखिलेश ने लिखा कि हमने ये ठाना है संविधान, आरक्षण, सौहार्द बचाना है।

टैंकर ने सड़क के किनारे खड़े लोगों को कुचला, तीन की मौत

बुलंदशहर, 24 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर जिले के डिबाई क्षेत्र में सड़क के किनारे खड़े होकर अपने वाहन का टायर बदल रहे कुछ लोगों को एक टैंकर ने कुचल दिया जिससे तीन लोगों की मौत हो गयी तथा एक अन्य जख्मी हो गया।

पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी शोभित कुमार ने बताया कि बुधवार और बृहस्पतिवार की दरमियानी रात चार लोग एक गाड़ी पर धान लादकर उसे कासंगज से जहांगीराबाद मंडी में बेचने जा रहे थे तभी अलीगढ़-अनूपशहर मार्ग पर रात करीब तीन बजे उनके वाहन का टायर पंक्चर हो गया।

उन्होंने बताया कि इसके बाद वाहन को सड़क किनारे

लगाकर उसका टायर बदल रहे थे तभी एक टैंकर ने उन्हें कुचल दिया। कुमार ने बताया कि हादसे में सतीश चंद (42), राम सिंह (58) और संजू (27) की मौत हो गई और हादसे में घायल विजय को गंभीर हालत में अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मझवां : बिछी राजनीतिक बिसात, सुचिस्मिता, ज्योति व दीपक में होगी टक्कर

◆2017 के विधानसभा चुनाव में इस सीट से बसपा के रमेश बिंद को सुचिस्मिता मौर्या ने 41159 मतों से हराया था

सुरेश गांधी

वाराणसी। मझवां विधानसभा सीट पर होने जा रहे उपचुनाव के लिए राजनीति बिसात बिछ चुकी है। भाजपा ने इस सीट से मैदान मारने के लिए सुचिस्मिता मौर्या को मैदान में उतारा है। सपा ने पूर्व सांसद रमेश बिंद की पुत्री ज्योति को अपना उम्मींदवार बनाया है। जबकि बसपा से दीपक तिवारी मैदान में है। बता दें, 2017 के विधानसभा चुनाव में इस सीट से बसपा के रमेश बिंद को सुचिस्मिता मौर्या ने 41159 मतों से हराया था। इसके बाद 2019 के आम चुनाव में

रमेश बिंद भाजपा के टिकट पर भदोही से सांसद बन गए, लेकिन 2024 के आम चुनाव में उनको टिकट नहीं मिला और वे सपा से मिजार्पुर से लोकसभा चुनाव लड़े, लेकिन अनुप्रिया पटेल से हार गए। एक बार फिर इसी विधानसभा क्षेत्र से उनकी पुत्री का सामना भाजपा की सुचिस्मिता मौर्य से हैं।

मझवां विधानसभा सीट को लेकर होने वाले उपचुनाव के लिए आखिरकार भाजपा ने गुरुवार को अपने पत्ते खोल दिए। भाजपा ने इसी सीट के लिए एक बार फिर पूर्व विधायक सुचिस्मिता मौर्या पर भरोसा जताया है और उनको अपना उम्मीदवार बनाया है। कहा जा रहा है कि विपक्ष में महिला उम्मीदवार व राजनीति में लगातार सक्रियता के चलते ही पार्टी की वह पसंद बनीं। सुचिस्मिता मौर्य इस सीट से वर्ष 2017 से 2022 तक विधायक रहीं। 2022 के विधानसभा चुनाव में उनको टिकट नहीं मिला और यह सीट भाजपा की सहयोगी पार्टी निषाद पार्टी के डॉ. विनोद बिंद को दे दी गई।

विनोद बिंद चुनाव जीते। लेकिन उसके बाद वह 2024 के आम चुनाव में भदोही सीट से लोकसभा का चुनाव लड़े और जीत गए। उनके सांसद बनने के बाद मझवां सीट रिक्त हो गई। इस पर भी निषाद पार्टी की उम्मीदवारी का कयास लगाया जा रहा था, लेकिन भाजपा ने सुचिस्मिता मौर्य को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया। सुचिस्मिता उद्योगपति व पूर्व विधायक स्व. रामचंद मौर्य की पुत्रवधू हैं। वह एमबीए की हुई हैं और राजनीति में खासा दखल रखती हैं। उनका कालीन का व्यवसाय है।

भाजपा, सपा व बसपा प्रत्याशी घोषित होने के बाद मझवां विधानसभा में चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं. सभी सियासी दल चुनाव में जीत का दावा कर रहे हैं. इस सीट पर पिछड़ा वर्ग, दलित, ब्राह्मण और बिंद मतदाताओं का प्रभुत्व है। जातीय समीकरण की बात की जाए तो इस सीट पर दलित, ब्राह्मण, बिंद वोटरों की संख्या करीब 60-60 हजार है। इनके अलावा कुशवाहा वोटर 30 हजार, पाल 22 हजार, राजपूत 20 हजार, मुस्लिम 22 हजार, पटेल 16 हजार हैं।

क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का हो सम्मान, आतंकवाद कतई बर्दाश्त नहीं: एस जयशंकर

कजान, 24 अक्टूबर। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रूस के कजान में ब्रिक्स सम्मेलन में कहा कि संघर्षों और तनाव से प्रभावी तरीके से निपटना आज के समय की विशेष जरूरत है। उन्होंने कहा कि संवाद और कूटनीति से विवादों और मतभेदों का समाधान निकाला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक बार सहमति हो जाए तो ईमानदारी से उसका पालन होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय कानून का बिना किसी अपवाद के पालन होना चाहिए। विदेश मंत्री ने सख्त लहजे में कहा कि आतंकवाद के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं करने

वाला रुख होना चाहिए।

एस जयशंकर ने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष और फैलने को लेकर व्यापक चिंताएं हैं। उन्होंने कहा कि हम कठिन परिस्थितियों में मिल रहे हैं, विश्व को दीर्घकालिक चुनौतियों पर नए सिरे से सोचने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि अतीत की कई असमानताएँ भी जारी हैं। वास्तव में, उन्होंने नए रूप और अभिव्यक्तियाँ ग्रहण की हैं। हम इसे विकासात्मक संसाधनों और आधुनिक तकनीक और दक्षताओं तक पहुँच में देखते हैं। हमें यह भी स्वीकार करना चाहिए कि वैश्वीकरण के लाभ बहुत असमान रहे हैं। इन सबके अलावा, कोविड महामारी और कई संघर्षों ने वैश्विक दक्षिण द्वारा वहन किए जाने वाले बोझ को और बढ़ा दिया है।

विदेश मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य, खाद्य और ईंधन सुरक्षा की चिंताएँ विशेष रूप से तीव्र हैं। भविष्य के शिखर सम्मेलन ने रेखांकित किया कि दुनिया एसडीजी लक्ष्यों को प्राप्त करने में काफी पीछे रह जाने के वास्तविक खतरे में है। उन्होंने सवाल किया कि हम इस विरोधाभास को कैसे सुलझाएँगे? और यह सुनिश्चित करेंगे कि परिवर्तन का लाभ उन लोगों तक पहुँचे जो वर्तमान में पीछे रह गए हैं?

धन के साथ धर्म की अमृतवर्षा का पर्व है धनतेरस

-ललित गर्ग

धनतेरस- 29 अक्टूबर, 2024

दीपावली से जुड़े पांच पर्वों में दूसरा महत्वपूर्ण पर्व है धनतेरस। धनतेरस के दिन भगवान धनवंतरी और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है और इस दिन खरीदारी और दान-पुण्य करना भी शुभ माना जाता है। इस दिन को धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती के नाम से भी जाना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जनक धन्वंतरि देव समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे और प्रकट होते समय उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था। धनतेरस अर्थव्यवस्था का महापर्व है। अर्थ से अर्थ-व्यवस्था का सम्यक एवं गुणात्मक संधान। इस दिन घर एवं बाजारों में आशा के दीप सजते हैं, मुद्रा का आदान-प्रदान होता है। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई चीजों में कई गुना वृद्धि हो जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि इस दिन कुछ उपाय करने से घर में धन-धान्य के भंडार भर जाते हैं और मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है। तम मिटाती धनतेरस और प्रकाश बांटती लक्ष्मी यानी भारतीय पद्धति के अनुसार प्रत्येक आराधना, उपासना व अर्चना में आधिभौतिक, आध्यात्मिक और आधिदैविक इन तीनों रूपों का समन्वित व्यवहार होता है। इस मान्यतानुसार इस उत्सव में भी सोने, चांदी, सिक्के आदि के रूप में आधिभौतिक लक्ष्मी का आधिदैविक लक्ष्मी से संबंध स्वीकार करके पूजन किया जाता हैं। घरों को दीपमाला आदि से अलंकृत करना इत्यादि कार्य लक्ष्मी के आध्यात्मिक स्वरूप की शोभा को आविर्भूत करने के लिए किए जाते हैं। जब हम धन का ध्यान करते हैं तो सार्वभौमिक आत्मा को अपनी प्रचुरता के लिए धन्यवाद देते हैं।

हम और ज्यादा के लिए भी प्रार्थना करतें हैं ताकि हम और ज्यादा समृद्ध हो सकें यह समृद्धि केवल सोना-चांदी-रूपयों की ही नहीं बल्कि ज्ञान, आनन्द आत्मविश्वास, शांति एवं प्रेम की भी होती है। सोना चांदी केवल एक बाहरी प्रतीक है। दौलत हमारे भीतर है। भीतर में बहुत सारा प्रेम, शांति और आनंद है। इससे ज्यादा दौलत आपको और क्या चाहिए? ज्ञान ही वास्तविक धन है। आपका चरित्र, आपकी शांति और आत्म विश्वास आपकी वास्तविक दौलत है। जब आप ईश्वर के साथ जुड़ कर आगे बढ़ते हो तो इससे बढ़कर कोई और दौलत नहीं है। यह शाही विचार तभी आता है जब आप ईश्वर और उसकी अनंतता के साथ जुड़ जाते हो। जब लहर यह याद रखती है कि वह समुद्र के साथ जुड़ी हुई है और समुद्र का हिस्सा है तो विशाल शक्ति मिलती है। धनतेरस ह्यआयुर्वेदह्न का दिन भी है, क्योंकि जड़ीबूटियां भी धन हैं। जड़ीबूटियां और पेड़-पौधे भी धन हैं। ऐसा कहते हैं कि धनतेरस के दिन ही मानवता को अमृत दिया गया था।

भारतीय संस्कृति में धर्म-अर्थ-काम और मोक्ष जीवन के उद्देश्य रहे हैं। यहां इन्हें प्राप्त करने के लिए हमेशा से प्रयास होते रहे हैं। धनतेरस पर धन के साथ-साथ धर्म को भी यहां महत्त्व दिया गया है और दोनों के बीच समन्वय स्थापित किए जाने की आवश्यकता भी व्यक्त होती रही है लेकिन जब-जब इनके समन्वय के प्रयास कमजोर हुए हैं तब-तब समाज में एक असंतुलन एवं अराजकता का माहौल बना है। शास्त्रों में कहा गया है कि धन की सार्थकता तभी है जब व्यक्ति का जीवन सद्गुणों से युक्त हो। लेकिन हाल के वर्षों में समृद्धि को लेकर हमारे समाज की मानसिकता और मानक बदले हैं। आज समृद्धि का अर्थ सिर्फ आर्थिक सम्पन्नता तक हो गया है। समाज में मानवीय मूल्यों और सद्विचारों को हाशिये पर डाल दिया गया है और येन-केन-प्रकारेण धन कमाना एवं धन की कामना करना ही सबसे बड़ा लक्ष्य बनता जा रहा है। आखिर ऐसा क्यों हुआ? क्या इस प्रवृत्ति के बीज हमारी परंपराओं में रहे हैं या यह बाजार के दबाव का नतीजा है? इस तरह की मानसिकता समाज को कहां ले जाएगी? ये कुछ महत्त्वपूर्ण प्रश्न हैं, जिनपर धनतेरस जैसे पवित्र पर्व पर मंथन जरूरी है।

लक्ष्मीजी का स्वरूप त्रिगुणात्मक है। उनका वास तन, मन और धन तीनों में है। पांच प्रकार के सुख कहे गये हैं- तन, मन, धन, पत्नी और संतान। देवी भगवती कमला यानी लक्ष्मीजी के आठ रूप कहे गये हैं। आद्य लक्ष्मी या महालक्ष्मी (कन्या), धन लक्ष्मी (धन, वैभव, निवेश, अर्थव्यवस्था), धान्य लक्ष्मी (अन्न), गजलक्ष्मी (पशु व प्राकृतिक धन), सनातना लक्ष्मी (सौभाग्य, स्वास्थ्य, आयु व समृद्धि), वीरा लक्ष्मी (वीरोचित लक्ष्मी अर्थात रक्षा, सुरक्षा), विजया लक्ष्मी (दिग्दिगंत विजय), विद्या लक्ष्मी (विद्या, ज्ञान, कला विज्ञान), इन आठों स्वरूपों को मिलाकर महालक्ष्मी का पर्व बना दिवाली। दिवाली अर्थात दीप पर्व। जहां इन आठों स्वरूपों का प्रकाश हो, वहां दिवाली निश्चित रूप से होती है। प्रकाश, पुष्टि, प्रगति की प्रार्थना के साथ। दूसरे अर्थ में समझिए। लक्ष्मीजी का वास एक लघु इकाई में है। एक माटी के दीपक में है। उसके प्रकाश में है। एक फकीर की भी दिवाली है तो एक अमीर की भी। एक कुम्हार की भी दिवाली है, तो एक सर्राफ की भी। यही लक्ष्मी है। मन की लक्ष्मी। सबकी लक्ष्मी। इसका आशय यह है कि तन, मन, धन, परिवार और संतान की पुष्टि एक दीप की तरह प्रकाशवान रहें। धनवर्षा के साथ, अमृतवर्षा के साथ।

हमारी समृद्धि गुणात्मक हो, लेकिन समृद्धि के नाम पर पनप रहा नया नजरिया न केवल घातक है बल्कि मानव अस्तित्व पर खतरे का एक गंभीर संकेत भी है। साम्राज्यवाद की पीठ पर सवार पूंजीवाद ने जहां एक ओर अमीरी को बढ़ाया है तो वहीं दूसरी ओर गरीबी भी बढ़ती गई है। यह अमीरी और गरीबी का फासला कम होने की बजाय बढ़ता ही जा रहा है जिसके परिणामों के रूप में हम कोरोना जैसी महामारियों को, युद्ध की विभीषिकाओं को, आतंकवाद को, सांप्रदायिकता, महंगाई, बेरोजगारी को देख सकते हैं, जिनकी निष्पत्तियां हैं समाज में हिंसा, नफरत, द्वेष, लोभ, गलाकाट प्रतिस्पर्धा, रिश्ते में दरारें आदि। सर्वाधिक प्रभाव पर्यावरणीय असंतुलन एवं प्रदूषण के रूप में उभरा है। चंद हाथों में सिमटी समृद्धि की वजह से बड़े और तथाकथित संपन्न लोग ही नहीं बल्कि देश का एक बड़ा तबका मानवीयता से शून्य अपसंस्कृति का शिकार हो गया है। अनेक बुराइयां बिन बुलाए घर आ गईं। आदमी-आदमी से असुरक्षित हो गया। हिंसा, झूठ, चोरी, बलात्कार, संग्रह जैसे निषेधात्मक संस्कारों ने मनुष्य को पकड़ लिया। चेहरे ही नहीं चरित्र तक अपनी पहचान खोने लगे। नीति और निष्ठा के केंद्र बदलने लगे। आस्था की नींव कमजोर पड़ने लगे।

धन के प्रति हमारा नजरिया विसंगतिपूर्ण है। इस प्रक्रिया में हमारा दीपावली एवं धनतेरस मनाना कहां सार्थक रह पाया है। क्योंकि सारी सामाजिक मान्यताओं, मानवीय मूल्यों, मयार्दाओं को ताक पर रखकर कैसे भी धन एकत्र कर लेने को सफलता का मानक माने जाने लगा है जिससे राजनीति, साहित्य, कला, धर्म सभी को पैसे की तराजू पर तोला जाने लगा है। इस प्रवृत्ति के बड़े खतरनाक नतीजे सामने आ रहे हैं। समृद्धि की तथाकथित आधुनिक जीवनशैली ने जीवन मूल्यों के प्रति अनास्था को पनपाया है। समृद्धि के बदलते मायने तभी कल्याणकारी बन सकते हैं जब समृद्धि के साथ चरित्र निष्ठा और नैतिकता भी कायम रहे। शुद्ध साध्य के लिए शुद्ध साधन अपनाने की बात इसीलिए जरूरी है कि समृद्धि के रूप में प्राप्त साधनों का सही दिशा में सही लक्ष्य के साथ उपयोग हो। संग्रह के साथ विसर्जन की चेतना जागे। पदार्थ संयम के साथ इच्छा संयम हो, भोग के साथ संयम भी जरूरी है। भले हमारे पास कार, कोठी और कुर्सी न हो लेकिन चारित्रिक गुणों की काबिलियत अवश्य हो क्योंकि इसी काबिलियत के बल पर हम अपने आपको महाशक्तिशाली बना सकेंगे, तभी हमारा धनतेरस मनाना सार्थक होगा।

समृद्धि की बदलती फिजा सद्संस्कारों को शिखर दे, वैचारिक दृष्टिकोण को रचनात्मकता दे, आधुनिकता के साथ पनपने वाली बुराइयों को विराम दे, ईमान और इंसानियत बटोरते हुए आगे बढ़े। आज कहां सुरक्षित रह पाया है-ईमान के साथ इंसान तक पहुंचने वाली समृद्धि का आदर्श? कौन करता है अपनी सुविधाओं का संयमन? कौन करता है ममत्व का विसर्जन? कौन दे पाता है अपने स्वार्थों को संयम की लगाम? भले हमारे पास कार, कोठी और कुर्सी न हो लेकिन चारित्रिक गुणों की काबिलियत अवश्य हो क्योंकि इसी काबिलियत के बल पर हम अपने आपको महाशक्तिशाली बना सकेंगे, तभी हमारा धनतेरस मनाना सार्थक होगा।

क्या है जेनेरिकदवाओं का गोरखधंदा, एक साल्ट 5 दुकान, 5 नाम, 5 भाव

अशोक भाटिया

हाल ही में मुझे खुद को एक अनुभव मिला जब मैंने डॉक्टर की लिखी दवा PANAM D अपने मेडिकल स्टोर से खरीदी तो उसे छपे भाव में मिली और उसे ही जेनेरिक रूप में ओन लाइन ळ्फ्फ्ण ऽएऊसे मंगवाई तो 51 % कम में मिली यानि वह जेनेरिक थी। इसके बाद मैंने तय किया कि इसके बारे में मैं विस्तार से तपशील करूँगा . मैं एक ही दवा को लेकर अलग झ अलग जेनेरिक दवाइयों की दुकान पर गया . मैंने पाया कि एक ही दवा अलग झ अलग दुकान पर अलग झ अलग नामों से व भावों से बिक रही है . 20 रुपये की दवा की कीमत भी 80 रूपया लिखा होता है . और पता करने पर पाया कि जेनेरिक दवाओं के प्रिंट रेट यानी इन दवाओं पर छपने वाली कीमत पर कोई नियंत्रण नहीं है। आईएमए के सदस्य और मेडिकल कॉलेज में प्रोफेसर डॉक्टर हेमंत जैन के एक लेख के अनुसार ब्रांडेड मेडिसिन पर फार्मासिस्ट को 5 से 20 प्रतिशत तक कमीशन मिलता है, पर जेनेरिक मेडिसिन की प्रिंट रेट और रिटेलर की खरीद कीमत में 50 गुना से 350 गुना तक का अंतर होता है। 10 पैसे की बी कॉम्प्लेक्स 35 रुपए तक में बिकती है। इसका आम जनता या मरीजों को उतना फायदा नहीं मिलता, जितना मिलना चाहिए। ऐसे में सरकार को जेनेरिक मेडिसिन के प्रिंट रेट पर भी लगाम लगाने की जरूरत है, वरना जनता को कोई फायदा नहीं होने वाला। आम तौर पर ऐसी दवाएं एक तरह का 'केमिकल सॉल्ट' होती हैं। इन्हें शोध के बाद अलग-अलग बीमारियों के लिए बनाया जाता है। जेनेरिक दवा जिस सॉल्ट से बनी होती है, उसी के नाम से जानी जाती है। जैसे- दर्द और बुखार में काम आने वाले पैरासिटामोल सॉल्ट को कोई कंपनी इसी नाम से बेचे तो उसे जेनेरिक दवा कहेंगे। वहीं, जब इसे किसी ब्रांड जैसे- क्रोसिन के नाम से बेचा जाता है तो यह उस कंपनी की ब्रांडेड दवा कहलाती है। चौंकाने वाली बात यह है कि सर्दी-खांसी, बुखार और बदन दर्द जैसी रोजमर्रा की तकलीफों के लिए जेनेरिक दवा महज 10 पैसे से लेकर डेढ़ रुपए प्रति टैबलेट तक में उपलब्ध है। ब्रांडेड में यही दवा डेढ़ रुपए से लेकर 35 रुपए तक पहुंच जाती है।

गौरतलब है कि देश में जेनेरिक दवाओं के इस्तेमाल को लेकर केंद्र सरकार ने डॉक्टरों को सख्त निर्देश जारी किया था। सरकार ने आदेश जारी कर सभी डॉक्टरों को जेनेरिक दवाएं पेशेंट्स के लिए लिखने को कहा था। सरकार ने सख्त होते हुए कहा कि अगर डॉक्टर पर्चे में जेनेरिक दवा नहीं लिखी जाती तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य सेवा के डायरेक्टर जनरल ने आदेश जारी करते हुए इस बात की वार्निंग दी थी कि जो कोई भी डॉक्टर जेनेरिक दवाओं को अपने पर्चे में शामिल नहीं करेगा, उसके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जा सकता है।केंद्र सरकार ने सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य कल्याण केंद्रों के डॉक्टरों को जेनेरिक दवाएं ही लिखने के लिए निर्धारित नियमों का पालन करने की चेतावनी जारी की थी पर न जाने क्यों यह आदेश समय के अनुसार धुंधला पड़ गया।

बताया जाता है कि सरकार मरीजों को सस्ती दवाएं उपलब्ध करवाने के लिए कानून में संशोधन की तैयारी करती रहती है। इसके बाद डॉक्टर्स को मरीजों के लिए सिर्फ जेनेरिक दवा लिखनी होंगी, न कि किसी विशेष ब्रांड या कंपनी की।ऐसा लगभग 10 साल से सुनते आ रहे हैं पर कानून अमली जामा कब पहनेगा मालूम नहीं ? इसके बाद भी मरीजों को सस्ती दवाएं मिलने लगेंगी, इसकी कोई गारंटी नहीं है। लोगों को सस्ती दवाएं उपलब्ध करवाने और सरकारी नीतियों में बदलाव को लेकर काम कर रहे जन स्वास्थ्य अभियान के डॉ. इंद्रनील मुखोपाध्याय बताते हैं- जेनेरिक दवाओं को लेकर भारत और विदेशों में काफी अंतर है। 2007 के बाद से पेटेंट कानून में कोई प्रभावी संशोधन नहीं हुआ। दूसरी बड़ी बात यह है कि सरकारी अस्पतालों में मिलने वाली दवाओं की कीमतों में भी भारी अंतर होता है। खास तौर पर इनकी प्रिंट रेट और खरीद कीमत में भारी अंतर होता है। ऐसे में सरकार को इन दवाओं की एवरेज प्राइसिंग करनी चाहिए। इससे दवाओं की कीमतों में बड़ा फर्क आ जाएगा। अभी किसी भी मरीज का दवाओं पर औसत खर्च 180% ज्यादा है। दवा कीमतों पर नियंत्रण के बाद इसमें भारी कमी आ जाएगी।

डॉ. मुखोपाध्याय बताते हैं कि जेनेरिक दवा ब्रांडेड भी होती है।एक ही कंपनी जेनेरिक और ब्रांडेड, दोनों दवाएं बनाती है, लेकिन उनकी कीमतों में काफी अंतर होता है। ऐसे में अगर सरकार लोगों को या मरीजों को सस्ती दवाएं उपलब्ध करवाना चाहती है तो उनकी कीमतों पर नियंत्रण जरूरी है। जेनेरिक दवाओं के मामले में भी बड़ा खेल होता है, खासतौर पर सरकारी खरीद या अस्पतालों में खरीदी जाने वाली दवाओं के मामलों में। ऐसे में इनकी कीमतों पर नियंत्रण ही मरीजों को सस्ती दवाएं मिलने का रास्ता खोल सकता है।

कई जानलेवा बीमारियों जैसे एचआईवी, लंग कैंसर, लीवर कैंसर जैसी बीमारियों में काम आने वाली दवाओं के ज्यादातर पेटेंट बड़ी-बड़ी कंपनियों के पास हैं। वे इन्हें अलग-अलग ब्रांड से बेचती हैं। अगर यही दवा जेनेरिक में उपलब्ध हो तो इलाज पर खर्च 200 गुना तक घट सकता है। जैसे- एचआईवी की दवा टेनोफिविर या एफाविरेज की ब्रांडेड दवा का खर्च 2,500 डॉलर यानी करीब 1 लाख 75 हजार रुपए है, जबकि जेनरिक दवा में यही खर्च 12 डॉलर यानी महज 840 रुपए महीने तक हो सकता है। हालांकि, इन बीमारियों का इलाज ज्यादातर सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में होता है। ऐसे में ये दवाएं इन अस्पतालों में या वहां के केमिस्ट के पास ही मिल पाती हैं। - नोवार्टिस की कैंसर की दवा ग्लीवियो- इमेटिनिब मिसाइलेट का एक महीने का खर्च 2,158 डॉलर यानी करीब 1.51 लाख रुपए पड़ता है, जबकि जेनरिक रूप में इसी दवा का खर्च 174 डॉलर प्रति माह (12,180 रुपए) है, यानी 12 गुना या 92% से भी कम। - ऐसे ही बेयर की कैंसर ड्रग सोराफेनिब टोसाइलेट, जिसे वह नेक्सावर के नाम से बेचती है, उसका एक महीने का खर्च करीब 5,030 डॉलर है, जबकि जेनरिक दवा लेने पर यही खर्च महज 122 डॉलर प्रति माह रह जाता है।

जर्नल ऑफ हेल्थ इकोनॉमिक्स के मुताबिक, एक पेटेंट इनोवेटर को उस उत्पाद पर रिसर्च के दौरान किए गए खर्च या लागत को वसूलने और उससे लाभ हासिल करने की अनुमति देता है। जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, किसी भी दवा के इनोवेटर या कंपनी उस दवा को बनाने से लेकर बाजार में उतारने और उसके बाद के 10-15 साल के दौरान करीब 80 करोड़ डॉलर यानी करीब 5,600 करोड़ रुपए खर्च करती है। ऐसे में पेटेंट के 20 साल के दौरान उसे इस खर्च को वसूलने और मुनाफा कमाने का मौका मिल जाता है। डॉ. हेमंत जैन और डॉ. मुखोपाध्याय का कहना है कि अगर जेनेरिक दवा लिखना अनिवार्य होता है तो इसके साथ-साथ फार्मा सेक्टर में हजारों नौकरियों पर भी खतरा पैदा हो जाएगा। इनके मुताबिक, एक दवा को कई कंपनियां बनाती हैं। उनके प्रचार-प्रसार या उन्हें प्रमोट करने के लिए भारी भरकम स्टाफ रखती है। इनमें सबसे ज्यादा मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव (एमआर) हैं, जो डॉक्टर्स के पास विजिट कर उन्हें अपनी कंपनी की दवा लिखने को कहते हैं। कई डॉक्टर्स को इसके लिए बाकायदा कमीशन या महंगे-महंगे गिफ्ट तक दिए जाते हैं। ऐसे में डॉक्टर जब सिर्फ जेनेरिक दवा लिखेंगे, तो यह सब करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसका दूसरा असर यह होगा कि ब्रांडिंग खत्म हो जाएगी तो दवा कंपनियों को प्रचार-प्रसार के लिए स्टाफ भी कम रखना पड़ेगा। कई लाख मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्ज की नौकरियां खतरे में आ जाएंगी। फार्मा और मेडिकल सेक्टर से जुड़ी डॉकप्लेक्सस के मुताबिक, बड़ी कंपनियों में से प्रत्येक अपने उत्पादों के प्रचार-प्रसार के लिए 5 हजार से ज्यादा फील्ड स्टाफ रखती है। इसके अलावा फार्मा कंपनियां कुल बजट का 20% फील्ड स्टाफ की भर्ती और खर्च का 60% फील्ड स्टाफ और उनसे जुड़ी गतिविधियों पर खर्च करती हैं।

इसका दूसरा पहलू भी है। ज्यादातर डॉक्टर्स सरकार की इस योजना का विरोध कर रहे हैं। वे आशंका जता रहे हैं कि ऐसे किसी कानून के लागू होने के बाद दवा से जुड़ी सभी शक्तियां केमिस्ट के हाथों में चली जाएंगी। उनकी दलील है कि डॉक्टर के जेनेरिक दवा लिखने के बाद केमिस्ट तय करेगा कि मरीज को कौन-सी दवा देनी है। ऐसी स्थिति में वह दवा की गुणवत्ता की परवाह किए बिना वही दवा देगा, जिसकी बिक्री से उसे अधिक मार्जिन या मुनाफा हासिल होगा। फार्मा सेक्टर से जुड़े सूत्र बताते हैं कि इसमें डॉक्टर्स को तो कोई नुकसान नहीं होगा, क्योंकि उनके पास तो मरीज आते रहेंगे, लेकिन जनता को अच्छी गुणवत्ता की जेनेरिक दवा मिलेगी, इसकी कोई गारंटी नहीं है। इसके बाद दवा कंपनियां सीधे स्टॉकिस्ट या केमिस्ट से संपर्क करेंगी और उसे अपनी दवा बिक्री के लिए कई तरह के लालच दे सकती हैं, जिसका नुकसान आखिरकार आम जनता को उठाना पड़ सकता है। ऐसे में सरकार को इस दिशा में भी सोच-विचार करना चाहिए।अब यह सरकार को तय करना है कि जिस कानून को वह साल दर साल दोहराती है उसे अमली जामा कैसे पहनाया जा सकता हैं।

मणिपुर की जातीय हिंसा, अधिकारियों की अग्नि परीक्षा

-प्रियंका सौरभ

मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा 3 मई, 2023 को भड़क उठी। इस संघर्ष में 200 से अधिक मौतें हुईं और 60, 000 लोग विस्थापित हुए। मैतेई और कुकी समुदायों के बीच संघर्ष की जड़ें मणिपुर के जातीय और ऐतिहासिक संदर्भ में गहराई से जुड़ी हुई हैं। मुख्य रूप से घाटी क्षेत्रों में रहने वाले मेइतेई और पहाड़ी जिलों में रहने वाले कुकी समुदाय के बीच लंबे समय से सामाजिक-राजनीतिक और भूमि सम्बंधी विवाद हैं। राजनीतिक सत्ता, भूमि और सरकारी संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा ने इन समुदायों के बीच तनाव बढ़ा दिया है। आरक्षण, भूमि स्वामित्व और स्वायत्तता से सम्बंधित नीतियाँ इस टकराव के केंद्र में हैं। आदिवासी और गैर-आदिवासी समूहों को वर्गीकृत करने की ब्रिटिश काल की नीतियों ने विभाजन पैदा किया जो आज भी गूंजता है।

कानून-व्यवस्था की स्थिति तेजी से बिगड़ गई, सांप्रदायिक तनाव बढ़ गया और हिंसक घटनाएँ सामने आईं। सांप्रदायिक विभाजन ने अखिल भारतीय सेवाओं (एआईएस) अधिकारियों के कामकाज को गहराई से प्रभावित किया, जिससे उनके बीच भौगोलिक और मनोवैज्ञानिक बाधाएँ पैदा हुईं, संघर्ष के कारण पहाड़ी और घाटी जिले दुर्गम हो गए। वर्तमान स्थिति सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा परिकल्पित ~स्टील फ्रेम~ के लिए खतरा है, जिसमें अखिल भारतीय सेवाएँ भारत की प्रशासनिक मशीनरी की रीढ़ हैं। हिंसा और जातीय विभाजन के कारण एस्प्रिट डे कॉर्प्स (अधिकारियों के बीच एकता और आपसी सम्मान) तनाव में है, जिससे अधिकारियों के बीच सहयोग और विश्वास कमजोर हो रहा है। संघर्ष ने एआईएस अधिकारियों के बीच पारस्परिक सम्बंधों पर गहरा प्रभाव डाला है, सामाजिक आदान-प्रदान और सहयोग दुर्लभ हो गए हैं। नफरत फैलाने वाले भाषण, प्रचार और ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से सार्वजनिक चर्चा के ध्रुवीकरण ने रिश्तों को और अधिक तनावपूर्ण बना दिया है, जिससे विभिन्न जातीय पृष्ठभूमि के अधिकारियों के लिए एक साथ काम करना मुश्किल हो गया है।

मनोवैज्ञानिक युद्ध, दुष्प्रचार और आर्थिक व्यवधान जैसे गैर-गतिशील तत्वों ने मणिपुर में तनाव को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हाइब्रिड युद्ध के हिस्से के रूप में इन युक्तियों ने जनता के मनोबल और शासन में विश्वास को कम कर दिया है, जिससे कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए ज़िम्मेदार आईएएस और अन्य सेवाओं के लिए एक महत्त्वपूर्ण चुनौती पैदा हो गई है। विभिन्न जातीय पृष्ठभूमि के

हिंसा और जातीय विभाजन के कारण एस्प्रिट डे कॉर्प्स (अधिकारियों के बीच एकता और आपसी सम्मान) तनाव में है, जिससे अधिकारियों के बीच सहयोग और विश्वास कमजोर हो रहा है। संघर्ष ने एआईएस अधिकारियों के बीच पारस्परिक सम्बंधों पर गहरा प्रभाव डाला है, सामाजिक आदान-प्रदान और सहयोग दुर्लभ हो गए हैं। नफरत फैलाने वाले भाषण, प्रचार और ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से सार्वजनिक चर्चा के ध्रुवीकरण ने रिश्तों को और अधिक तनावपूर्ण बना दिया है, जिससे विभिन्न जातीय पृष्ठभूमि के अधिकारियों के लिए एक साथ काम करना मुश्किल हो गया है। मणिपुर में जातीय हिंसा ने गहरे जड़ें जमा चुके सांप्रदायिक संघर्षों से निपटने में भारत की प्रशासनिक प्रणाली की कमजोरी को उजागर कर दिया है। हालाँकि यह स्थिति अखिल भारतीय सेवाओं की अखंडता के लिए गंभीर चुनौतियाँ प्रस्तुत करती है, यह संघर्ष-ग्रस्त क्षेत्रों में शासन के दृष्टिकोण पर पुनर्विचार और सुधार करने का एक अनूठा अवसर भी प्रदान करती है। क्षमता निर्माण, अनुसंधान और नवीन नीति उपायों पर ध्यान केंद्रित करके, आईएएस और अन्य सेवाएँ संकट को एक सीखने के अनुभव में बदल सकती हैं जो भविष्य के संघर्षों में ~स्टील फ्रेम~ के लचीलेपन को मजबूत करती है।

सिविल सेवकों को अपनी जातीय पहचान के साथ अपने पेशेवर कर्तव्यों को संतुलित करने में दुविधाओं का सामना करना पड़ता है। सामुदायिक अपेक्षाओं और वफादारी का दबाव बनाम प्रशासनिक तटस्थता बनाए रखने की आवश्यकता एक महत्त्वपूर्ण नैतिक चुनौती प्रस्तुत करती है। कई अधिकारियों को उनकी जातीयता के कारण व्यक्तिगत सुरक्षा खतरों का सामना करना पड़ता है। सरकारी अधिकारियों को भीड़ द्वारा निशाना बनाए जाने और सुरक्षा की आवश्यकता की रिपोर्टें उनके सामने आने वाले गंभीर खतरों को रेखांकित करती हैं। इससे मनोवैज्ञानिक तनाव पैदा हो गया है और उनके कर्तव्यों को पूरा करने की क्षमता में बाधा उत्पन्न हुई है।

दुष्प्रचार, घृणास्पद भाषण और भड़काऊ सामग्री फैलाने में सोशल मीडिया प्लेटफार्मों की भूमिका ने संघर्ष को बढ़ा दिया है। हिंसा और भड़काऊ भाषणों के वीडियो ने समुदायों को और अधिक ध्रुवीकृत कर दिया है, जिससे नागरिक अधिकारियों के लिए कहानी को प्रबंधित करना मुश्किल हो गया है। चुनौतियों के बावजूद, मणिपुर संघर्ष को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) और भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) जैसे संस्थानों द्वारा अनुसंधान और दस्तावेजीकरण के अवसर के रूप में देखा जा सकता है। इस मामले के आधार पर संघर्ष प्रबंधन, सुलह और प्रशासनिक तटस्थता पर प्रशिक्षण मॉड्यूल और क्षमता-निर्माण कार्यशालाएँ विकसित की जा सकती हैं। इस तरह के केस अध्ययन लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर जातीय केंद्रित संघर्षों से निपटने में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान करेंगे, जो संघर्ष क्षेत्रों में शासन की शैक्षणिक और व्यावहारिक समझ में योगदान देंगे।

वेबर द्वारा प्रतिपादित नौकरशाही की अवैयक्तिक प्रकृति का लाभ संघर्षग्रस्त राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए किया जा सकता है। बैचमेट्स के बीच पेशेवर टीम भावना और राष्ट्रीय एकीकरण के एजेंट के रूप में एआईएस अधिकारियों की तटस्थ भूमिका संघर्षों को हल करने के लिए एक लचीला ढांचा प्रदान करती है। शांति-निर्माण प्रयासों में अधिकारियों को शामिल करने के लिए नवीन कार्मिक प्रबंधन नीतियों का कार्यान्वयन। विभिन्न जातीय समुदायों के अधिकारियों के बीच नियमित आभासी बैठकें बेहतर सम्बंधों को बढ़ावा दे सकती हैं और संघर्ष से उत्पन्न मनोवैज्ञानिक अलगाव को कम कर सकती हैं। इस तरह के उपाय मणिपुर में उभरे प्रशासनिक सिलोस को तोड़ने में मदद कर सकते हैं, सिविल सेवाओं के भीतर बेहतर सहयोग की सुविधा प्रदान कर सकते हैं और शांति प्रक्रिया में योगदान दे सकते हैं। यह संघर्ष भारत में संघीय एकता के महत्त्व को भी रेखांकित करता है। संचार चैनलों को मजबूत करने और राज्य और केंद्र सरकारों के बीच साझा जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने से भविष्य के संकटों को कम करने में मदद मिल सकती है।

मणिपुर में जातीय हिंसा ने गहरे जड़ें जमा चुके सांप्रदायिक संघर्षों से निपटने में भारत की प्रशासनिक प्रणाली की कमजोरी को उजागर कर दिया है। हालाँकि यह स्थिति अखिल भारतीय सेवाओं की अखंडता के लिए गंभीर चुनौतियाँ प्रस्तुत करती है, यह संघर्ष-ग्रस्त क्षेत्रों में शासन के दृष्टिकोण पर पुनर्विचार और सुधार करने का एक अनूठा अवसर भी प्रदान करती है। क्षमता निर्माण, अनुसंधान और नवीन नीति उपायों पर ध्यान केंद्रित करके, आईएएस और अन्य सेवाएँ संकट को एक सीखने के अनुभव में बदल सकती हैं जो भविष्य के संघर्षों में ~स्टील फ्रेम~ के लचीलेपन को मजबूत करती है।

आखिर कब तक थमेंगे जम्मू-कश्मीर में हो रहे आतंकी हमले?

लीजिए, जम्मू-कश्मीर में एक और आतंकवादी हमला हो गया, जिसमें आधा दर्जन से अधिक लोग मारे गए। यह नृशंस वारदात किसकी शह पर हुई और किसकी नीतिगत लापरवाही से हुई, यह पुनः विमर्श का विषय है! क्योंकि हमारे देश में ऐसी घटनाएं आए दिन की बात हो चली हैं और राष्ट्र के किसी न किसी हिस्से में घटित होती रहती हैं। आखिर इस घटना के क्या मायने हैं, इस पर विचार करने से पहले एक सुलगता हुआ सवाल मेरे मनमस्तिष्क में कौंध रहा है कि आखिरकार 'खूनी होते जा रहे लोकतंत्र' और इसको 'संरक्षित करने वाले संवैधानिक तंत्र' के पास ऐसी वहशी वारदातों को रोकने के लिए अबतक कोई स्थायी मूलमंत्र क्यों नहीं मिला है?

आखिर कब तक ऐसी अप्रत्याशित घटनाओं के खात्मे होंगे और इसे प्रोत्साहित करने वाले लोगों और उन्हें रोकने में लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार लोगों पर ठोस कार्रवाई कबतक सुनिश्चित की जाएगी, ताकि ऐसी वारदातों पर पूर्ण विराम लग सके! यदि नहीं, तो क्यों नहीं? आम जनता को जवाब चाहिए। क्योंकि इस बद से बदतर स्थिति के लिए हमारी राजनीति और उसके इशारे पर थिरकने वाला प्रशासन भी कहीं न कहीं जिम्मेदार अवश्य है। बस इसके न्यायसंगत पड़ताल की जरूरत है, जो बीते कई दशकों से नहीं हो पा रही है!

उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में आतंकियों ने एक और कायराना हमला करते हुए 7 मेहनतकश लोगों की उस वक्त जान ले ली, जब वो खाना खाने के लिए मेस में बैठे हुए थे। इस आतंकी वारदात में मरने वालों में एक स्थानीय डॉक्टर और टनल निर्माण में लगे 6 कर्मचारी भी शामिल हैं, जिनमें से 5 लोग बाहरी राज्यों से थे। उनमें 2 अधिकारी वर्ग के और 3 श्रमिक वर्ग के थे। वहीं, इस नृशंस हमले में 5 अन्य कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह हमला सोनमर्ग इलाके में हुआ और घटना के बाद सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में हुए आतंकी हमले में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। यह हमला रात करीब 8:30 बजे हुआ, जब सभी कर्मचारी खाना खाने के लिए मेस में एकत्र हुए थे। चश्मदीदों के मुताबिक, जब कर्मचारी मेस में भोजन कर रहे थे, तभी 3 आतंकी वहां पहुंचे और अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। इससे पहले कि कोई प्रतिक्रिया कर पाता, आतंकी हमला करके वहां से फरार हो गए। इस गोलीबारी में दो वाहन भी आग की चपेट में आकर जलकर खाक हो गए। खबरों के अनुसार, इस हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली है। जिसकी अविलंब कमर तोड़ देनी चाहिए।

मसलन, प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है कि जिन श्रमिकों पर हमला हुआ, वे जेड मोड़ सुरंग परियोजना में काम कर रहे थे, जो गगनगीर घाटी को सोनमर्ग से जोड़ने वाली एक सुरंग है। इसका निर्माण उत्तर प्रदेश की एप्को नामक कंपनी द्वारा किया जा रहा है और इसे 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके चलते वहां तेजी से काम चल रहा था। सवाल है कि जब धारा 370 के हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में हाल ही में नई सरकार का गठन हुआ है और नेशनल कांफ्रेंस के चीफ उमर अब्दुल्ला ने घाटी में सरकार बनाई है, तब यह बड़ा सवाल है कि आखिर में आतंकियों के असल निशाने पर क्या था? क्योंकि नई सरकार बनने के बाद जम्मू-कश्मीर में यह पहली आतंकी वारदात हुई है। वहीं, दूसरा सवाल यह है कि क्या आतंकियों के निशाने पर घाटी के विकास कार्यों को रोकना है? यदि ऐसा है तो यह बेहद खौफनाक है। मेरा स्पष्ट मानना है कि घाटी के विकास को परवान चढ़ा रहे मजदूरों को निशाना बनाकर आतंकियों ने बड़ी कायरता और मूर्खता का परिचय दिया है। सवाल है कि जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटाए जाने के बाद यह पहला ऐसा मौका है जब विकास की परियोजना पर आतंकियों ने सीधे हमला किया है। जिस टनल के लिए यह मजदूर काम कर रहे थे वो भारत सरकार के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में से एक है। इस साल कश्मीर में टीआरएफ का ये पहला बड़ा हमला है। इससे पहले इस साल जम्मू में इस संगठन ने आतंकी हमले को अंजाम दिया। भले ही केंद्रीय गृह सचिव ने इस आतंकी हमले की जानकारी जम्मू कश्मीर डीजीपी से ली और आतंकियों के खिलाफ चल रहे काउंटर ऑपरेशन का भी ब्योरा लिया। जानकारों का कहना है कि इस साल जितने भी बड़े आतंकी हमले हुए हैं, वह जम्मू में हुए हैं। लेकिन यह पहली बार है जब कश्मीर में इस साल इतना बड़ा आतंकी हमला हुआ है। वहीं, पहली बार ऐसा हुआ है कि स्थानीय (लोकल) और बाहरी (नॉन लोकल) दोनों को टारगेट किया गया है। इससे साफ है कि विकास परियोजनाओं में शामिल लोगों के हौसले को पस्त करने की खौफनाक रणनीति अब आतंकी संगठन भी अपना रहे हैं, जिसका मुंहतोड़ जवाब देने की जरूरत है। क्योंकि गांदरबल में जिस टनल के पास यह आतंकी हमला हुआ है, वह आल वेदर रोड है, जिसका निर्माण पिछले कुछ सालों से चल रहा है। यह रोड़ सीधे गांदेरबल से सोनमर्ग और वहां से लेह को कनेक्ट करता है। एक सुलगता हुआ सवाल यह भी है कि जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला की सरकार के गठन के महज चार दिनों के बाद ही आतंकवादियों ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के ही विधानसभा क्षेत्र गांदरबल में इतना बड़ा आतंकी हमला क्यों बोला है और इसके जरिए आतंकियों ने क्या संदेश देने की जुर्रत की है। क्योंकि जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के नतीजे के ऐलान और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में सरकार गठन के मात्र चार दिनों के अंदर आतंकियों ने गांदरबल में आतंकी हमला बोला है। जहां उन्होंने गुंड इलाके में सुरंग के निर्माण पर काम कर रही एक निजी कंपनी के लोगों पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई। दरअसल, यह आतंकी हमला सियासी रूप से भी काफी अहम है। क्योंकि जिस इलाके में यह हमला हुआ है, वह सीएम उमर अब्दुल्ला के विधानसभा क्षेत्र गांदरबल के अधीन आता है और यहां से उमर अब्दुल्ला ने जीत हासिल की है। विधानसभा चुनाव में उमर अब्दुल्ला की पार्टी ने बहुमत हासिल कर सरकार का गठन किया है। क्या 370 की बहाली पर चुप्पी साधकर और जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलवाए जानें की सीएम उमर की रणनीति से आतंकवादी नाखुश हैं, क्योंकि जम्मूकश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने के उमर कैबिनेट के प्रस्ताव को अब LG की मंजूरी का इंतजार है, जो देर-सबेर मिल ही जाएगी। समझा जा रहा है कि चूंकि जम्मू-कश्मीर में सरकार गठन के बाद उमर अब्दुल्ला लगातार जम्मू-कश्मीर के लोगों की बात कर रहे हैं। उन्होंने लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाने का वादा किया है। वो जम्मू और कश्मीर दोनों संभागों को साथ लेकर चलने की बात कर रहे हैं। साथ ही वह कश्मीर से विस्थापित हुए पंडितों की बात कर रहे हैं। इसलिए आतंकी आका उनकी इस नई चाल से परेशान हैं। जम्मू कश्मीर की सरकार के गठन के बाद कैबिनेट ने जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के प्रस्ताव भी पारित किया है और उसे उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंजूरी भी दे दी है। इस तरह से पूर्ण राज्य के दर्जे की मांग की प्रक्रिया शुरू हो गई है और अब इस पर केंद्र सरकार को फैसला लेना है और लोकसभा और राज्यसभा में संशोधन विधेयक लाकर इसको अमलीजामा पहनाना बाकी है। केंद्र सरकार पहले ही पूर्ण राज्य के दर्जे की बात कह चुकी है। वहीं, उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर में शांति-अमल और विकास की बात कर रहे हैं, जिससे आतंकी बखौलाए हुए हैं। पहले जिस तरह से जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों में शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव हुए और लोगों ने बढ़-चढ़कर मतदान में हिस्सा लिया है, और अब सरकार भी बन गई है, इससे आतंकियों के मंसूबे ध्वस्त होते दिख रहे हैं और आतंकी इसी बौखलाहट में ताजा हमला किया है। उनकी मंशा साफ है कि वे सिर्फ दहशत पैदा करना चाहते हैं। इसलिए इस हमले की सीएम उमर अब्दुल्ला ने भी कड़े शब्दों में निंदा की और कहा कि वह पीड़ित परिवारों के साथ हैं।

वरिष्ठ शिक्षक चंद्रबली गिरी सेवानिवृत्ति

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ शिक्षक चंद्रबली गिरी का सेवा संपूर्ति सत्कार समारोह महाराष्ट्र राज्य शिक्षण संचालक महेश पालकर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।समारोह में समारोह के अध्यक्ष,सत्कार मूर्ति उनके परिवार के सदस्यों ,बृहन्मुंबई महानगर पालिका के अधिकारियों ,पूर्व उपशिक्षणाधिकारी जय श्री यादव, डॉ.कीर्ति एवं डॉ. नागेश पांडे, शिक्षक सभा के महासचिव शरद सचिव,सह सचिव ओमप्रकाश यादव का समाजसेवी शिक्षाविद् चंद्रवीर बंशीधर यादव ने सत्कार किया।

बोईसर में देशी गायों के अधिकृत गो उत्पाद केंद्र का शुभारंभ

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर अंतर्गत सरकारी बस डिपो के बगल , आईसीआईसीआई बैंक के सामने, जगदीश एनक्लेव, शॉप नं.3 में बुधवार 23 अक्टूबर 2024 को हरे कृष्णा गौ प्रसादम देशी गायों के अधिकृत गो उत्पाद केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस केंद्र में देशी गायों के गोबर, दूध से बने उत्पाद पूजन सामग्री, शुद्ध देशी घी इत्यादि अनेक प्रदूषण मुक्त एवं स्वास्थ्यवर्धक सामग्रियों को विक्री हेतु उपलब्ध कराया गया है। देशी गायों के गोबर, दूध से बने उत्पाद पूजन सामग्री, शुद्ध देशी घी इत्यादि जैसी प्रदूषण मुक्त एवं स्वास्थ्यवर्धक अनेक सामग्रियों के बारे में अधिक जानकारी हेतु प्रवीण राजपुरोहित के दूरभाष क्रमांक 8554883095 पर संपर्क कर सकते हैं।

एल .सी .बी . पालघर ने अवैध हथियार के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले की लोकल क्राइम ब्रांच ने पालघर जिले के कासा थाना क्षेत्र से अवैध हथियार के साथ के एक आरोपी को गिरफ्तार करने में बड़ी कामयाबी हासिल की है प्राप्त जानकारी के अनुसार आगमी विधानसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर पूरे पालघर जिले में अवैध धन्धो व अवैध हथियारों के विरुद्ध जोरशोर से कारवाई अभियान चलाया जा रहा है। इसी करवाई के दरम्यान बुधवार 23 अक्टूबर 2024 को पालघर जिले के कासा थाना क्षेत्र अंतर्गत दाभाड़ी बोरपाड़ा में एक आरोपी को 12 बोर के कट्टा के साथ ही साथ 3 जिंदा कारतूस व 5 खोखा के अलावा 300ग्राम शीशा धातु के छोटे बड़े टुकड़े जिसकी कुल कीमत 10750 रुपए के घातक हथियार के साथ गिरफ्तार करने में लोकल क्राइम ब्रांच को बड़ी कामयाबी हासिल हुई है।उक्त आरोपी के विरुद्ध कासा पुलिस थाना में अपराध संख्या 179/2024 भारतीय हथियार अधिनियम 3 , 25 के साथ महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम 1951 की धारा 37 (1) (3) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले की और अधिक जांच कासा पुलिस थाना के पुलिस उपनिरीक्षक विलास कोथे द्वारा की जा रही है। उक्त कारवाई पालघर पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटील, अपर पुलिस अधीक्षक विनायक नरले, उपविभागीय पुलिस अधिकारी जव्हार विभाग गणपत पिंगले के मार्गदर्शन में लोकल क्राइम ब्रांच पालघर के पुलिस निरीक्षक प्रदीप पाटील, सहायक पुलिस निरीक्षक अनिल व्हटकर, पुलिस उप निरीक्षक रोहित खोत व स्वप्निल सावंतदेसाई तथा पोहवा दिलीप जनाठे व संतोष निकोले की संयुक्त टीम द्वारा सफलता पूर्वक की गई।

श्री जूड गोम्स एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस के नए प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त

मुंबई। भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.आई.) की मंजूरी के साथ, एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड श्री जूड गोम्स को नए प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में नियुक्त करने की घोषणा करते हुए प्रसन्न है। श्री जूड गोम्स के पास बीमा और बैंकिंग के क्षेत्र में वरिष्ठ पदों पर 30 से अधिक वर्षों का स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुभव है। उन्होंने फिलीपींस में मैनुलाइफ चाइना बैंक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में और हाल ही में श्रीलंका में यूनियन एश्योरेंस पी.एल.सी. में मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में सफल कार्यकाल पूरा किया है। इससे पहले, वे वियतनाम में मैनुलाइफ के लिए मुख्य साझेदारी वितरण अधिकारी और हांगकांग स्थित एच.एस.बी.सी. के मुख्य कार्यालय में थे। बीते समय के दौरान, वे भारत की पहली निजी जीवन बीमा कंपनी, एच.डी.एफ.सी. स्टैंडर्ड लाइफ इंश्योरेंस की स्थापना करने वाली मुख्य टीम का हिस्सा थे और भारत में एच.एस.बी.सी. केनरा ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स लाइफ इंश्योरेंस के संस्थापक सदस्य भी रहे हैं। हाल के समय तक, हांगकांग में से संबंध रखने वाले, श्री जूड गोम्स ने एजेस में क्षेत्रीय निदेशक, व्यवसाय विकास के रूप में एक महत्वपूर्ण पद का कार्यभार संभाला था। इस नियुक्ति के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए, श्री जूड गोम्स ने कहा, मैं एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस में प्रबंध निदेशक (एम.डी.) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सी.ई.ओ.) की भूमिका निभाने के लिए स्वयं को सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। हमारे बोर्ड और हमारे सभी समर्पित कर्मचारियों के सहयोग के साथ, मैं अपने सभी हितधारकों के लिए केयर, डेअर, डिलीवर और शेयर के हमारे सैद्धांतिक मूल्यों को बनाए रखूँगा। हम नए मानक स्थापित करेंगे और भारत के बीमा के क्षेत्र में अपनी स्थिति को मजबूत बनायेंगे। मैं टीम एजेस फेडरल लाइफ के रूप में - एक साथ - विकास और सफलता की हमारी नई यात्रा को आरंभ करने की प्रतीक्षा कर रहा हूँ।

मोबाइल का करो सही उपयोग, न करो दुरुपयोगः डॉ. रवीन्द्र मिश्रा

मुंबई (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं महिला बाल विकास आयोग के मुख्य महासचिव, डॉ. रवीन्द्र मिश्रा ने इस दीपावली के अवसर पर एक महत्वपूर्ण संदेश देते हुए कहा कि आज के समय में मोबाइल और इंटरनेट हमारे जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन चुके हैं, लेकिन इसके बढ़ते दुरुपयोग से समाज में कई गंभीर समस्याएं उभरकर सामने आ रही हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ₹मोबाइल का करो सदियों, न करो दुरुपयोग₹। इस दीपावली पर हम सबको यह संकल्प लेना चाहिए कि मोबाइल का सही और जिम्मेदार उपयोग करें, ताकि समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके। डॉ. मिश्रा ने अपने संदेश में समाज के विभिन्न पहलुओं को उजागर करते हुए बताया कि कैसे मोबाइल के अत्यधिक और गलत उपयोग से पारिवारिक, सामाजिक और व्यक्तिगत स्तर पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। आज के इस युग में जब हर उम्र के लोग मोबाइल का इस्तेमाल कर रहे हैं, इसका अत्यधिक प्रयोग हमारी दिनचर्या, संबंधों और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने यह संदेश विशेष रूप से युवा पीढ़ी, माता-पिता और समाज के सभी वर्गों के लिए दिया है, ताकि वे इस दिशा में जागरूक हों और अपने मोबाइल उपयोग की सीमाओं को समझ सकें। डॉ. मिश्रा ने कहा कि मोबाइल फोन और इंटरनेट की भूमिका आज के युग में अत्यधिक महत्वपूर्ण हो गई है। ये न केवल हमारे रोजमर्रा के कामों को आसान बनाते हैं बल्कि शिक्षा, रोजगार, और सामाजिक संपर्क में भी सहायक हैं। लेकिन मोबाइल का अत्यधिक और गैर-जिम्मेदार उपयोग कई समस्याओं को जन्म दे रहा है। उन्होंने मोबाइल के गलत उपयोग के प्रमुख खतरों का जिक्र किया। 1. साइबर बुलिंग :- इंटरनेट पर असामाजिक तत्वों द्वारा किए जा रहे साइबर बुलिंग के मामले दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं। इसका प्रभाव विशेष रूप से बच्चों और युवाओं पर होता है, जो मानसिक रूप से परेशान हो जाते हैं। यह एक गंभीर समस्या है, जो समाज के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है।2. अश्लील सामग्री :- इंटरनेट पर अश्लील सामग्री की आसान उपलब्धता ने युवा पीढ़ी पर नकारात्मक प्रभाव डाला है। इसका सीधा असर उनकी नैतिकता और समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी पर

पड़ता है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि इस समस्या का समाधान मोबाइल का संयमित और जिम्मेदार उपयोग कर ही निकाला जा सकता है। 3. फर्जी खबरों का प्रसार :- सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफार्मों पर झूठी और भ्रामक सूचनाएं बड़ी तेजी से फैलती हैं। इससे समाज में अफवाहें और दंगे जैसी स्थिति पैदा हो जाती है। उन्होंने अपील की कि हर व्यक्ति को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जो भी जानकारी वह साझा कर रहा है, वह सत्य और प्रमाणित हो। मोबाइल के दुरुपयोग से पारिवारिक संबंधों में भी दूरियाँ बढ़ी हैं। लोग अब एक ही घर में रहते हुए भी एक-दूसरे से कम संवाद करते हैं, जबकि मोबाइल में ज्यादा व्यस्त रहते हैं। डॉ. मिश्रा ने कहा कि इस समस्या को हमें गंभीरता से लेना चाहिए और परिवार के साथ अधिक समय बिताने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने माता-पिता से आग्रह किया कि वे बच्चों के साथ संवाद करें और उन्हें मोबाइल के सही उपयोग के बारे में सिखाएं। मोबाइल का अत्यधिक उपयोग शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालता है। इससे बच्चों और युवाओं में आंखों की समस्याएं, नींद की कमी, मानसिक तनाव, और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई जैसी समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। डॉ. मिश्रा ने कहा कि इस दीपावली पर हमें अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए मोबाइल का सीमित उपयोग करने का संकल्प लेना चाहिए। दीपावली, अंधकार से प्रकाश की ओर जाने का पर्व है। डॉ. मिश्रा ने इस अवसर पर लोगों से अपील की कि वे इस दीपावली पर अपने जीवन में एक सकारात्मक बदलाव लाएं और मोबाइल के सही उपयोग का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि तकनीक का उद्देश्य हमारे जीवन को सरल बनाना है, न कि इसे जटिल और तनावपूर्ण करना।

राज ठाकरे की मौजूदगी में विधायक राजू पाटिल ने नामांकन भरा

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने कल्याण ग्रामीण विधानसभा सीट पर फिर एक बार वर्तमान विधायक राजू पाटील को चुनावी मैदान में उतारा है। आज गुरुवार को राजू पाटील ने जोरदार शक्ति प्रदर्शन के साथ अपना नामांकन भरा। मानपाड़ा से एक विशाल रैली का आयोजन हुआ जिसमें मनसे के सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान राजू पाटील का फॉर्म भरने के लिए मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे स्वयं उपस्थित रहे। राज ठाकरे एवं ठाणे से मनसे के प्रत्याशी अविनाश जाधव की मौजूदगी में राजू पाटील ने नामांकन पत्र भरा। बीते वर्ष में किए गए विकासकार्यों के दम पर फिर एक बार चुनाव जीतने की बात राजू पाटील ने कही।

नागार्जुना अक्कीनेनी बनें डाबर मेसवाक के ब्राण्ड अम्बेसडर

मुंबई। भारत की अग्रणी विज्ञान आधारित आयुर्वेद कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड ने अपने ओरल केयर ब्राण्ड डाबर मेसवाक के लिए साउथ के जाने-माने एक्टर एवं सुपरस्टार श्री नागाजुर्ना अक्कीनेनी को नया ब्राण्ड अम्बेसडर नियुक्त किया है। डाबर मेसवाक में चमत्कारी जड़ी-बूटी मेसवाक का शुद्ध अर्क होता है, जिसे ओरल केयर के लिए 70 से अधिक फायदों के लिए जाना जाता है। विज्ञान में प्रमाणित फॉमूर्ला डाबर मेसवाक दांतों और मसूड़ों को सम्पूर्ण देखभाल प्रदान करता है। यह साझेदारी दक्षिण भारत में डाबर मेसवाक की स्थिति को और मजबूत बनाएगी, जहां नागाजुर्ना के प्रशंसकों की संख्या बहुत अधिक है। नया कैपेन -नथिंग लाईक मेसवाक जल्द ही टेलीविजन स्क्रीन्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर लाईव होगा। साझेदारी पर बात करते हुए श्री नागाजुर्ना अक्कीनेनी ने कहा, डाबर मेसवाक के साथ जुड़ते हुए मुझे बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है, एक ऐसा ब्राण्ड जिस पर मैं खुद सालों से भरोसा करता हूं। डाबर मेसवाक सम्पूर्ण ओरल केयर प्रदान करता है। ऐसे में डाबर मेसवाक के साथ इस साझेदारी को लेकर मैं बेहद उत्सुक हूं और हर किसी को इसके ओरल केयर सीक्रेट्स के बारे में बताना चाहता हूं।

श्री अभिषेक जुगरान, एक्जक्टिव वाईस प्रेजीडेन्ट-मार्केटिंग, डाबर इंडिया लिमिटेड ने कहा, प्रमाणित क्षमता और इन्ग्रीडिएन्ट्स के चलते आज के दौर में भारतीय उपभोक्ता प्राकृतिक उत्पादों को अपना रहे हैं। डाबर मेसवाक को कम्पलीट ओरल केयर के लिए जाना जाता है; इसमें एक दुर्लभ जड़ी-बूटी मिसवाक है, जिसे ओरल केयर के लिए 70 से अधिक फायदों के लिए जाना जाता है। नए दौर के उपभोक्ताओं की पसंद को ध्यान में रखते हुए डाबर मेसवाक वेगन, पेटा सर्टिफाइड है तथा पेराक्साईड एवं फ्लोराईड से मुक्त है। हमें खुशी है नागाजुर्ना अक्कीनेनी डाबर मेसवाक के नए चेहरे के रूप में हमारे साथ जुड़ने जा रहे हैं। अपने लुभावने स्वाद के चलते यह ब्राण्ड उपभोक्ताओं को खूब लुभाता है और विभिन्न मार्केट्स में तेजी से विकसित हुआ है। इस बीच नागाजुर्ना की लोकप्रियता, मार्केट में मेसवाक की स्थिति को और अधिक मजबूत बनाएगी। हम डाबर मेसवाक की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए मल्टी-प्लेटफॉर्म मार्केटिंग कैंपेन संचालित करेंगे। श्री प्रशांत अग्रवाल, हैड ऑफ मार्केटिंग-ओरल केयर, डाबर इंडिया लिमिटेड ने कहा, नागाजुर्ना अक्कीनेनी उसी भरोसे, परम्परा और वैलनैस का प्रतीक है, जिसके लिए डाबर मेसवाक को जाना जाता है। ब्राण्ड के साथ उनकी साझेदारी इसमें मौजूदा चमत्कारी जड़ी-बूटी मिसवाक के 70 से अधिक फायदों का संदेश देती है। टूथपेस्ट कैटेगरी में डाबर मेसवाक तेजी से विकसित हुआ है और यह साझेदारी मेसवाक का फुटप्रिन्ट बढ़ाने एवं ओरल केयर सेगमेन्ट में कारोबार के विकास को गति प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

श्री रविन्दर सीवच, चीफ क्रिएटिव गोडजिला ने कहा, किसी अन्य टूथपेस्ट की तुलना मेसवाक के ढेरों फायदों, इसमें मौजूद मिसवाक बूटी सम्पूर्ण ओरल केयर प्रदान करती है।

हमारा नया कैपेन नथिंग लाईक मेसवाक इसी दृष्टिकोण पर रोशनी डालता है। इस फिल्म के लिए श्री नागाजुर्ना के साथ काम करना बेहतरीन अनुभव रहा। वे टीवी विज्ञापन में एक अनूठे अवतार में नजर आएंगे।

शिवसेना यूबीटी के प्रत्याशी सुभाष भोईर ने नामांकन भरा

डोंबीवली (उत्तरशक्ति)। विधानसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों की घोषणा होते नामांकन प्रक्रिया तेज हो गई है। आज गुरुवार को कल्याण में तीन राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों ने नामांकन पर्चा भरा। कल्याण ग्रामीण विधानसभा सीट से शिवसेना (यूबीटी) के प्रत्याशी सुभाष भोईर ने अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन से पूर्व सुभाष भोईर ने रैली के माध्यम से जोरदार शक्ति प्रदर्शन किया। सागरली स्थित बालाजी मंदिर में दर्शन करने बाद रैली की शुरूआत हुई। रैली में महाविकास आघाडी के कार्यकर्ता भारी संख्या में शामिल हुए। डोंबिवली के संत सांवलाराम क्रीड़ा परिसर में स्थित निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय

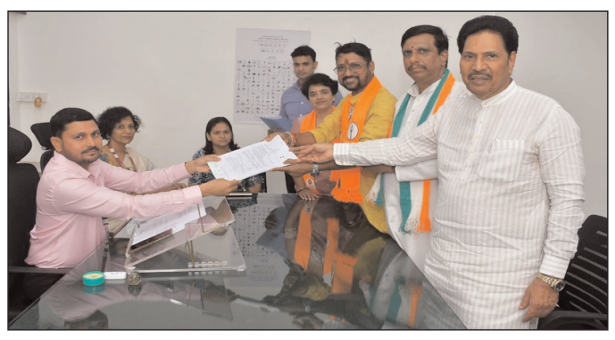

में नामांकन पत्र दाखिल किया गया। इस मौके पर ठाकरे गुट के लोकसभा संपर्क प्रमुख गुरुनाथ खोत, कांग्रेस के प्रदेश चिटणीस संतोष केने, एनसीपी शरद पवार गुट के जिलाध्यक्ष वंडार पाटील, वैशाली दरेकर, मृणाल यज्ञेश्वर, जिला प्रमुख धनंजय बोडारे, जिला युवा अधिकारी प्रतीक पाटील, कल्याण ग्रामीण संपर्क प्रमुख अरविंद बिरमोले, डोंबिवली शहर प्रमुख अभिजीत सावंत सहित महाविकास आघाडी के घटक दलों के प्रमुख पदाधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद थे।

जनता जनार्दन महेश चौगुले को तीसरी बार चुनकर हेट्रिक बनायेगी: विनोद तावडे

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी पश्चिम विधानसभा उम्मीदवार महेश चौगुले के चुनावी जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावडे के हाथों रिबन काटकर किया गया । बतादें कि भाजपा पश्चिम विधानसभा प्रत्याशी महेश चौगुले के जनसंपर्क कार्यालय का उद्घाटन करने आये भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व मंत्री विनोद तावडे कार्यकताओं को संबोधित करते हुए अपने वक्तव्य में कहा कि भिवंडी पश्चिम के मतदाता महेश चौगुले को अपना मत देकर विधानसभा में तीसरी बार भेजकर हेट्रिक बनायेगी एसा मुझे विश्वास है। इस अवसर पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री कपिल पाटिल , राज्यसभा सदस्य व विधानसभा प्रभारी कविता पाटीदार , भाजपा उम्मीदवार महेश चौगुले , प्रदेश सदस्य ममता परमाणी , भिवंडी पश्चिम प्रभारी श्याम अग्रवाल , भिवंडी जिलाध्यक्ष एडवोकेट हर्षल पाटिल , भिवंडी पूर्व विधानसभा चुनाव प्रमुख संतोष शेट्टी , उपाध्यक्ष सुमित पाटिल , बालमुकुंद शुक्ला , राष्ट्रवादी

कांग्रेस भिवंडी जिलाध्यक्ष प्रवीण पाटिल (अजीत पवार) , शिवसेना जिलाध्यक्ष सुभाष माने (शिंदे गुट), भाजपा महासचिव राजू गाजेंगी , कल्पना शर्मा , भरत भाटी , प्रवीण मिश्रा , विशाल पठारे , भिवंडी उपाध्यक्ष सुनीता यादव , युवा मोर्चा अध्यक्ष राजू चौगुले , उत्तर भारतीय मोर्चा अध्यक्ष मंगेश यादव , पूर्व नगरसेवक यशवंत टावरे , प्रचार प्रमुख पी डी यादव , नंदन गुप्ता , रामनारायण सोनी , कृष्णा हलावाई आदि समेत भाजपा व महायुति के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

डाबर रियल ने रियल दीवाली ग्रीटिंग्स गिफ्ट पैक्स की शानदार रेंज लॉन्च की

मुंबई। दीवाली का त्योहार आ गया है, ऐसे में डाबर इंडिया लिमिटेड की ओर से भारत के प्रमुख ज्यूस एवं नेक्टर ब्राण्ड डाबर रियल ने रियल दीवाली ग्रीटिंग्स गिफ्ट पैक्स की व्यापक रेंज लॉन्च की है। रियल के ये बजट-फ्रैंडली स्पेशल गिफ्ट पैक रु 100 से रु 550 की रेंज में उपलब्ध हैं। तो इस दीवाली अपने प्रियजनों के साथ फलों के गुणों से भरपूर त्योहारों की सेहतमंद शुभकामनाएं बांटने के लिए तैयार हो जाएं!

डाबर इंडिया लिमिटेड के वाईस प्रेजीडेन्ट-मार्केटिंग श्री मयंक कुमार ने कहा कि, दीवाली साल का सबसे बड़ा त्योहार होता है, सभी लोग इस त्योहार को अपने परिवारजनों और दोस्तों के साथ मिलकर मनाना चाहते हैं। दीवाली की सबसे खास परम्परा है, इस मौके पर उपहारों का आदान-प्रदान। इस दीवाली आप अपने प्रियजनों को सेहत से भरपूर उपहार दे सकें, इसके लिए हम लेकर आए हैं रियल फ्रूट बेवरेजेज के फेस्टिवल गिफ्ट पैक्स की एक्सक्लुजिव रेंज, जिसमें विशेष रूप से डिजाइन किए गए 19 रियल ग्रीटिंग्स गिफ्ट पैक्स शामिल हैं। असली फलों के गुणों से भरपूर रियल ग्रीटिंग्स गिफ्ट पैक्स की रेंज स्वाद और पोषण दोनों के फायदे देगी। तो त्योहारों के इस सीजन हमारे विभिन्न गिफ्ट पैक्स के साथ अपने प्रियजनों को अच्छी सेहत को तोहफा दें। हमें विश्वास है कि उपभोक्ता इन गिफ्ट पैक्स को खूब पसंद करेंगे और सेहत से भरपूर उपहारों के साथ दीवाली का जश्न मनाएंगे।

रियल दीवाली ग्रीटिंग्स गिफ्ट पैक्स में शामिल है- बुक पैक कीमत रु 445, बॉक्स पैक रु 115, बकेट पैक रु 550, हैण्डल पैक रु 140, जूट बैग 3 लीटर रु 445, पीवीसी 3 लीटर रु 405, पीवीसी बैग 2 लीटर रु 260, रियल कूलर्स गिफ्ट पैक रु 100, रियल मिनी पैक रु 100, विटामिन बूस्ट पैक 3 लीटर रु 480, प्रीमियम पैक 2 लीटर रु 400, रियल बाईटस च्च्6 रु 280, रियल फिजिन गिफ्ट पैक 8 ग 150 एमएल रु 100, रियल पीईटी गिफ्ट पैक रु 140, पार्टी पैक रु 445, रॉकेट पैक रु 300, ब्रेड बॉक्स रु 290, फैमिली पैक रु 335 और हैक्जागन पैक रु 415 की कीमत पर उपलबध है।

डाबर इंडिया लिमिटेड के जी.एम. - मार्केटिंग फूड्स, मिस मोनिशा पराशर ने कहा कि ₹हमें खुशी है कि इस दीवाली हम नए पैक्स के साथ रियल गिफ्टिंग रेंज लेकर आए हैं। त्योहारों के मौके पर मिठाईयों से लेकर पारम्परिक व्यंजनों तक उपहार देने के ढेरों विकल्प होते हैं।

भारत के टॉप 8 रेज़िडेंशियल मार्केट्स में कीमतों में उछाल जारी

मुंबई। ऑनलाइन प्रॉपर्टी ब्रोकरेज फर्म, प्रॉपटाइगर डॉटकॉम के पास उपलब्ध डेटा से पता चलता है कि निर्माण के खर्चों में वृद्धि होने के बीच भारत के 8 प्रमुख रेज़िडेंशिल मार्केट में प्रॉपर्टी की कीमतें पिछले एक साल में और बढ़ गई हैं।

हाऊसिंग डॉटकॉम के मालिक आरईए इंडिया की सहायक कंपनी, प्रॉपटाइगर डॉटकॉम की हालिया रिपोर्ट से यह पता चला है कि एनालाइज किए गए अधिकांश शहरों में प्रॉपर्टी की औसत कीमतों में 2023 की तीसरी तिमाही की तुलना में 2024 की तीसरी तिमाही में दोहरे अंकों की वृद्धि देखने को मिली है। 'रियल इनसाइट रेज़िडेंशियलः जुलाई-सितंबर 2024' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में पाया गया है कि कीमतों में यह वृद्धि बढ़ती मांग के कारण संभव हुई है, खासकर हाई-एंड प्रॉपर्टीज के लिए। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि, रिजर्व बैंक ने पिछली 10 नीति बैठकों से रेपो दर में कोई बदलाव न करते हुए, इसे 6.5% की यथास्थिति में रखा है, जिससे कीमतों पर और दबाव बढ़ रहा है। दर में कटौती के अभाव में, डेवलपर्स के साथ-साथ खरीदार भी लोन पर तुलनात्मक रूप से ज्यादा ब्याज का भुगतान कर रहे हैं, जो अंततः घरों की किफायत पर असर पड़ता है। दिल्ली-एनसीआर में कीमतों में सबसे अधिक वार्षिक उछाल देखा गया; हैदराबाद में सबसे कमः इस रिपोर्ट में टॉप आठ शहरों में नए आवासों के निर्माण और उपलब्ध आवासीय यूनिट्स के लिए प्रॉपर्टी की कीमतों में लगातार वार्षिक वृद्धि को दर्शाया गया है।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* संरक्षकः सुरेश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
* प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालयः

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक) नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

स्वामी- शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति द्वारा एस.आर. पब्लिकेशन मोहन अर्जुन कम्पाउंड गोडाउन नं.-08,09,10 नियर घर्टनपाड़ा वैशाली नगर लास्ट बस स्टाफ दहिसर (ई.) मुंबई 400068 से मुद्रित एवं 103, प्रथम फ्लोर बी विंग एयरपोर्ट ब्यू सी.एच.एस. लि. वीर मकरन्द घानेकर मार्ग आजाद रोड फायर विग्रेड विले पारले (ई.) जिला मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 *संपादक- ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति, इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।

पत्राचार कार्यालयः नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016 * मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com,

सिकरारा पुलिस एवं एसटीएफ ने व्यापारी की हत्या करने जा रहे तीन शूटरों को किया गिरफ्तार

रियाजुलहक ज़िला क्राइम रिपोर्टर

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। यूपी एसटीएफ और सिकरारा थाने की पुलिस ने एक व्यापारी की सुपारी लेकर हत्या करने जा रहे तीन शूटरों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाशों के पास पिस्टल कारतूस बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार यह हत्या 30 अक्टूबर किया जाना था लेकिन इससे पूर्व ही आरोपियों को पकड़ लिया गया। हत्या की साजिश एक महिला ने रची थी । पुलिस के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एस.टी.एफ. उ0प्र0 लखनऊ से प्राप्त निदेशों के अनुपालन में शातिर अपराधियों की निगरानी के क्रम में एस.टी.एफ. मुख्यालय लखनऊ पर शातिर अपराधियों की मुखबिर और तकनीकी विशेषताओं से निगरानी के क्रम में प्राप्त अभिसूचना से जानकारी प्राप्त हुई कि जनपद के थाना सिकरारा निवासी शातिर अपराधी सुनील उपाध्याय उर्फ ओम उपाध्याय, सुशील सरोज व मुकेश कुमार उर्फ जय हिन्द व एक अन्य व्यक्ति नाम पता अज्ञात के साथ मिलकर सीमेन्ट व्यवसायी कमलेश पाठक पुत्र आनन्द पाठक निवासी सिकरारा जनपद जौनपुर की हत्या का षडयन्त्र रचा जा रहा है। इस काम के लिए पैसे की व शस्त्र की व्यवस्था सुनील उपाध्याय व बोबी उर्फ सैफ व उसकी प्रेमिका

के साथ मिलकर सीमेन्ट व्यवसायी कमलेश पाठक की हत्या की साजिश की जा रही है जिसके लिए उनके द्वारा दो शूटर को तैयार किया गया है। जिनका नाम सुशील सरोज पुत्र श्याम बिहारी सरोज निवासी ग्राम ताहिरपुर थाना सिकरारा जनपद- जौनपुर व जयहिन्द उर्फ मुकेश उर्फ कल्लू पुत्र भरतराम निवासी ताहिरपुर थाना सिकरारा जनपद-जौनपुर है तथा 23 अक्टूबर की शाम को हत्या की घटना कारित करने के लिए अपराधियों द्वारा गाडी व असलहे की व्यवस्था की जा चुकी है। इस सूचना पर एस.टी.एफ. मुख्यालय लखनऊ से उ0नि0 प्रताप नारायण सिंह,उ0नि0 विनोद कुमार सिंह मय हमराह के रवाना होकर जनपद थाना सिकरारा जौनपुर आकर बुधवार को मुखबिर और तकनीकी विशेषताओं से प्राप्त अभिसूचना को जमीनी श्रोतों से विकसित कर मुखबिर खास से मुलाकात कर जानकारी देकर पतारसी सुरागरसी हेतु मामूर किया गया । उक्त तथ्यों के आधार पर थाना सिकरारा पुलिस टीम एव एस0टी0एफ लखनऊ टीम के सहयोग से अवैध तमंचों के साथ अभियुक्तों को सुजानगंज रोड सिकरारा से गिरफ्तार कर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-266/24 धारा 3(5)/55/61(2) बीएनएस व 3/25 आयुद्ध अधि0 थाना सिकरारा जनपद जौनपुर पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

बरामदगी विवरण- 1. दो मोबाइल फोन मय सिम कार्ड। 2. दो अवैध तमंचा। 3. आठ जिन्दा कारतूस। 4. दो मोटर साइकिल। 5. 2500 रुपए नगद।

जनपद स्तरीय पाक-कला प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। जनपद स्तरीय पाक-कला प्रतियोगिता का आयोजन डायट जौनपुर के प्रांगड़ में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र एवं विशिष्ट अतिथि मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम रहें। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल एवं उप शिक्षा निदेशक/प्राचार्य, डॉ0 विनोद कुमार शर्मा, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, जौनपुर ने बुके देकर स्वागत किया। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र ने संस्कार एवं पोषण से सम्बन्धित बाते बतायी। हम सभी स्वस्थ भोजन के द्वारा अपने शरीर स्वच्छ रख सकते है। ऐसी स्थिति में विद्यालय स्तर पर समस्त रसोईयों का महत्व भी बढ़ जाता है। कार्यक्रम को देखकर जिलाधिकारी द्वारा प्रसन्नता व्यक्त करते हुए यह कहा गया कि रसोइयों के चुनाव के दौरान किये गये योगदान को सराहा तथा पोषण से सम्बन्ध में हरी साग-सब्जियों, सहजन, नीबू, करौंदा, ऑवला इत्यादि बाते कही एवं रसोइयों द्वारा बनाये गये रोटी की सराहना की गयी साथ ही साथ जिलाधिकारी के द्वारा बेसिक शिक्षा में ज्ञान के साथ संस्कार देने की बात कही। मुख्य विकास अधिकारी रसोइयों को बेसिक शिक्षा विभाग के पोषण की जननी बताया तथा इनके द्वारा किये गये परिश्रम की सराहना की गयी। उप शिक्षा निदेशक/प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डॉ0 विनोद कुमार शर्मा ने जिलाधिकारी एवं विशिष्ट अतिथि मुख्य विकास अधिकारी, बेसिक शिक्षा विभाग को मार्गदर्शन हेतु धन्यवाद दिया। अन्त में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल ने विस्तार से मध्यान्ह भोजन योजना एवं रसोईयों का कार्य तथा दायित्व पर प्रकाश डाला तथा समन्वयक एम0डी0एम0 अरूण कुमार मौर्य द्वारा एम0डी0एम0 की चर्चा

करते हुए सभी को स्वच्छ तरीके से विद्यालयों में भोजन पकाने हेतु प्रेरित किया गया। उक्त प्रतियोगिता में जनपद के कुल 30 रसोइयों ने प्रतिभाग किया। जिसमें निर्णायक मण्डल, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनोज कुमार जायसवाल, प्रधानाचार्य, जी0जी0आई0सी0, जौनपुर श्रीमती मंजूलता कुमारी वर्मा, गृह विज्ञान प्रवक्ता, डॉ ज्योत्सना सिंह, मो0 हसन पी0जी0 कालेज, जौनपुर, डॉ0 नीतू सिंह सी0एच0सी0 शाहगंज, रघुवंशी होटल जौनपुर के सेफ अरविन्द्र कुमार तथा जनपद के विभिन्न विद्यालयों के पॉच छात्र एवं पॉच छात्राए शामिल रहें।उक्त प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार बिन्दु देवी, पू0मा0वि0 तरियारी विकास खण्ड केराकत, द्वितीय पुरस्कार कंचन यादव, प्राथमिक विद्यालय लुरखुरी, विकास क्षेत्र मुफ्तीगंज तथा तृतीय पुरस्कार शिमला मौर्या उ0प्रा0वि0 डेहरी, विकासखण्ड सुइथाकला, जौनपुर को दिया गया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय बिजेता को क्रमशः रू0-3500, रू0-2500 एवं रू0-1500 तथा प्रमाण-पत्र वितरित किया गया। अन्य 27 रसोइयों को रू0-300 का सान्त्वना पुरस्कार तथा सभी रसोइयों को रू0-300 मार्ग व्यय दिया गया।इस अवसर विनीत सेठ जी फर्म गहना कोठी प्रतिष्ठान द्वारा समस्त 30 रसोइयों को एक-एक साड़ी पुरस्कार के रूप में दी गयी। इस अवसर पर जनपद के समस्त जिला समन्वयक, खण्ड शिक्षा अधिकारी, एस0आर0जी0, ए0आर0पी0 एवं कार्यालय के समस्त सहायक उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन स0अ0 प्रियंका मिश्रा एवं स0अ0 ऋचा सिंह द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। सभी उपस्थित अतिथियों एवं गणमान्य लोगो को जिला समन्वयक एम0डी0एम0 अरूण कुमार मौर्य द्वारा आभार ज्ञापित किया गया।

लावारिश शव में पड़े कीड़े, जिला अस्पताल के मुर्दा घर में पड़ी रह गई लाश

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। आरपीएफ जंघई की लापरवाही से जिला अस्पताल के मॉच्यूर्री हाउस (मुर्दा घर) में रखा शव सड़ गया। बुधवार को शव में कीड़े पड़ गए। जीआरपी की ओर से पंचनामा दिए जाने के बाद बुधवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। बीते 18 अक्तूबर को रात करीब आठ बजे एक अज्ञात व्यक्ति की लाश रेलवे ट्रैक पर पाई गई थी। 18 अक्तूबर की रात को ही शव को जंघई आरपीएफ थाने की पुलिस ने जिला अस्पताल मॉच्यूर्री में लाकर रख दिया। जिला अस्पताल में नियम के तहत शव रखकर आए हुए सिपाही को मेमो पकड़ा दिया गया। 18 अक्तूबर से अब तक आरपीएफ ने कोई ऐसा कदम नहीं उठाया जिससे अज्ञात शव का पोस्टमार्टम के बाद क्रिया-कर्म हो सके। 23 अक्तूबर तक शव पड़ा रहा और लापरवाही के कारण उसमें कीड़े पड़ गए। बुधवार को जंघई के स्टेशन अधीक्षक ने इसका मेमो जीआरपी प्रभारी को दिया। इसके बाद उसका पंचनामा भरकर आगे बढ़ाया गया। इस बाबत जीआरपी प्रभारी प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि आरपीएफ से उन्हें कोई सूचना नहीं मिली। स्टेशन अधीक्षक से मेमो मिलने के बाद पंचनामा भरकर भेज दिया गया। शहर में लावारिस लाश का अंतिम संस्कार करने वाली संस्था लावारिस लाश इंतजामिया कमेटी के अध्यक्ष रियाजुल ने बताया कि जिला अस्पताल में लावारिश मिला शव को लाकर रख दिया जाता है। लेकिन नियम के तहत अखबारों में शव के बारे में कोई जानकारी नहीं छपाई जाती ताकि उसके परिजन उसको ढूंढ सके। और तो और लाश घर से पोस्टमार्टम तक जाने के लिए कोई शव वाहन और पोस्टमार्टम से अंतिम संस्कार स्थल तक लाने के लिए भी कोई शव वाहन प्रशासन के द्वारा उपलब्ध नहीं कराया जाता। ठेले और ई रिक्शा पर लाद करके शव को अंत्यष्ठी स्थल पर पहुंचाया जाता है।

लापरवाही की हद

लाइन बाजार पुलिस ने दो शातिर बैटरी चोरों को किया गिरफ्तार

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। थाना लाइनबाजार पुलिस द्वारा दो शातिर बैटरी चोरो को किया गया गिरफ्तार, उनके कब्जे से 03 चोरी की बैट्री बरामद किया। पुलिस अधीक्षक जौनपुर, डा0 अजय पाल शर्मा द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में थाना लाइनबाजार पुलिस टीम द्वारा प्रभारी निरीक्षक किशोर कुमार चौबे के नेतृत्व में उ0नि0 अनिल कुमार यादव मय हमराह उ0नि0 हरिशंकर यादव व हे0कां0 मनीष सिंह व हे0कां0 सुखराज द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0 542/2024 धारा 303(2) बीएनएस से सम्बन्धित अभियुक्तगण 1. त्रिलोकी यादव उर्फ बब्लू पुत्र विनोद कुमार निवासी कटघरा शहरी नई बाजार थाना कोतवाली जनपद जौनपुर 2. शनि यादव उर्फ बेचू पुत्र धर्मेन्द्र यादव निवासी कटघरा शहरी नई बाजार थाना कोतवाली जनपद जौनपुर को मुखबिर की सूचना पर दिनांक-23.10.2024 समय 23.39 बजे सकरी पुलिया के पास अलीगंज कलीचाबाद के बार्डर के पास से 03 चोरी की बैट्री के साथ गिरफ्तार किया गया, विधिक कार्यवाही कर मा0 न्यायालय भेजा गया। बरामदगी-1. 03 चोरी की बैट्री।

संघर्ष के लिए बनायी पत्रकार कल्याण समिति

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित जौनपुर पत्रकार भवन में गुरुवार को पत्रकारों ने एक बैठक आयोजित किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पत्रकारों को पेंशन, आयुष्मान कार्ड और सुरक्षा के लिए शासन से मांग किया जायेगा। मांगे पूरी होने तक प्रत्येक माह की पहली तारीख और 15 तारीख को मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश को संबोधित एक ज्ञापन डीएम को सौंपा जायेगा। इस संघर्ष के लिए पत्रकार कल्याण समिति (भारत) नाम का गठन किया गया। इसी बैनर तले पत्रकारों के विभिन्न समस्याओं के लिए आवाज उठाया जायेगा। ये सभी मांगे जिले से लेकर ब्लाक स्तर तक के सक्रिय पत्रकारों के लिए किया जायेगा। इस मौके पर पत्रकारों ने कहा कि देश कई प्रदेशों में सरकार द्वारा पत्रकारों को पेंशन, स्वास्थ्य की बेहतर सुविधाएं और आवास दिया जाता हैं। इस लिए हम लोगों को उत्तरप्रदेश सरकार पेंशन, आयुष्मान कॉर्ड और सुरक्षा प्रदान करें।

इस मौके पर शशिराज सिन्हा, राजेश श्रीवास्तव, राजकुमार सिंह, रामजी जायसवाल, राममूर्ति यादव खेतासराय, विश्व प्रकाश श्रीवास्तव, अजीत सिंह, संजय अस्थान, देवेंद्र खरे, जावेद अहमद, आनन्द सिंह खेतासराय, राज सैनी, सुधीर सिंह, अरविंद पटेल, अजय पांडेय, आशीष श्रीवास्तव, रवि राजन, ब्रजेश विश्वकर्मा, राजन मिश्रा, मसूद अहमद, संतोष राय, आदित्य भारद्वाज, अजीत बादल, नीरज सिंह, अजीत गिरी, सुनील सिंह, विनोद विश्वकर्मा, शिवेंद्र प्रताप सिंह, संजय सिंह, ब्रजेश मिश्रा, जुबेर अहमद, यशवंत गुप्ता, संजय चैरसिया समेत भारी संख्या में पत्रकार उपस्थित थे।

TV उत्तरशक्ति NEWS
खबर, विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
डॉ. इम्तियाज अहमद सिद्दीकी
सह सम्पादक (उत्तरशक्ति) जौनपुर
मो0- 9695970605
रियाजुल हक
(उत्तरशक्ति जिला क्राइम रिपोर्टर) जौनपुर
मो0- 9335001460
Website-www.uttarshakti.co.in YouTube UTTAR SHAKTI TV NEWS
हर खबर निष्पक्षता के साथ

विकास खण्ड केराकत में 25 अक्टूबर को होगा रोजगार मेला का आयोजन

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन उ0प्र0 एवं जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में जिला सेवायोजन कार्यालय जौनपुर के तत्वाधान में 25 अक्टूबर 2024 को प्रातः 10 बजे विकास खण्ड केराकत परिसर जौनपुर में रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें निजी क्षेत्र की कम्पनियों के द्वारा हाईस्कूल, इण्टर, आई0टी0आई0 एवं स्नातक उत्तीर्ण बेरोजगार अभ्यर्थियों को निजी क्षेत्र की कम्पनियों में सेवायोजित कराये जाने हेतु रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा, जिसमें अभ्यर्थी प्रतिभाग करते हुए साक्षात्कार के माध्यम से योग्यतानुसार विभिन्न पदों पर रोजगार प्राप्त कर सकते है।जिला सेवायोजन अधिकारी एवं सहायक सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति आई0डी0प्रुफ सहित एवं वेब पोर्टल https://rojgaarsangam.up.gov.in पर जॉबसीकर के रूप में पंजीकरण उपरांत आवेदन करते हुए प्रतिभाग करें।

जिला अध्यक्ष इमरान बंटी की अध्यक्षता में हुई एमआईएम की बैठक

बख्तियार आलम संवाददाता

जौनपुर ,(उत्तरशक्ति)। मछलीशहर नगर मे जिलाध्यक्ष इमरान बंटी ने नगर इकाई के पदाधिकारी, कार्यकताओं के साथ बैठक कर संगठन को और अधिक मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने कार्यकताओं में जोश

भरते हुए कहा कि बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का सभी कार्यकर्ता करें। इस मौके पर जिला संयुक्त सचिव डाक्टर मकसूद आलम, नगर अध्यक्ष तौसीफ अंसारी, सभासद फराज सिद्दीकी, शोहरत अली, सोनू खास कर मौजूद रहें।

डीएम की अध्यक्षता में शासी निकाय की बैठक संपन्न

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में शासी निकाय की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित/मलिन बस्ती विकास योजनान्तर्गत शाहगंज, जौनपुर मडियाहूँ, और बदलापुर के नगर पालिकाओं/नगर पंचायतों के कार्यों के शासन में प्रेषित की जाने वाली कार्ययोजना के अनुमोदन-स्वीकृत कार्य, पीएम स्वनिधि योजना, पीएम श्रमयोगी मानधन योजना आदि की समीक्षा करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के सन्दर्भ में निर्देशित किया कि ईओ, चेयरमैन पार्षद आदि के सहयोग से अपूर्ण आवासों की सूची लेकर कार्य शीघ्र पूर्ण कराए तथा पात्र व्यक्तियों की पुनःसत्यापन कराए जिससे अपात्रों को योजना का लाभ न दिया जा सके। वन नेशन वन राशन कार्ड में अच्छी प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की। पीएम स्वनिधि योजनान्तर्गत पेन्डेसीं को खत्म करने तथा बैंक स्तर से लम्बित आवेदनो के निस्तारण के निर्देश दिये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

निःशुल्क सब्जी बीज प्राप्त करने के लिए करें आवेदनः जिला उद्यान विभाग अधिकारी

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। निःशुल्क सब्जी बीज प्राप्त करने हेतु उद्यान विभाग में करे आवेदनजिला उद्यान अधिकारी ने अवगत कराया है कि आलू व मटर के बाद अब उद्यान विभाग द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं के तहत निःशुल्क सब्जी बीज का वितरण किया जायेगा।एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत 125 हे0 में संकर शाकभाजी का लक्ष्य जनपद को प्राप्त है। कृषको को संकर शाकभाजी बीज के निःशुल्क वितरण हेतु निदेशालय द्वारा इम्पैनल्ड कंपनियो का स्टाल/मेला पूर्व में लगाया गया था। कृषकों द्वारा चयनित कंपनियो के बीज उपलब्ध है। इच्छुक कृषक विभाग से सम्पर्क कर पंजीकरण कराकर टमाटर, फूलगोभी, पत्तागोभी व शिमला मिर्च के बीज प्राप्त कर सकते है। पंजीकरण हेतु आवश्यक अभिलेख- खतौनी, आधार कार्ड, बैक पासबुक की फोटोकापी व 01 फोटो देना अनिवार्य है। अनुसूचित जाति/जनजाति के कृषकों हेतु संचालित राज्य सेक्टर योजनान्तर्गत कृषकों को टमाटर, मसाला मिर्च, शिमला मिर्च, करैला, लौकी का बीज वितरण हुतु उपलब्ध है। विभाग पंजीकरण कराकर प्रथम आओ प्रथम पाओ के आधार पर बीज प्राप्त कर सकते है।

वाराणसी में बालिका के साथ एक साल तक करता रहा दुष्कर्म

वाराणसी,(उत्तरशक्ति)। शिवपुर थाना क्षेत्र निवासी 11 साल की बालिका से एक परिचित ने एक साल तक दुष्कर्म किया। आरोपित ने उसकी अश्लील वीडियो बना ली। पिछले दिनों पीड़िता और उसकी मां को घर आकर धमकाया। संयुक्त पुलिस आयुक्त ने शिवपुर थाने से जांच कर रिपोर्ट मांगी है। पीड़िता की मां के अनुसार एडीसीपी महिला अपराध ममता रानी से तीन बार गुहार के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद युवा फाउंडेशन की सीमा चौधरी की मदद से संयुक्त पुलिस आयुक्त से मिलकर घटना से अवगत कराया। उन्होंने शिवपुर थाने से विस्तृत जांच की रिपोर्ट मांगी है। पीड़िता की मां ने बताया कि लोहता के धन्नीपुर में रहने वाले एक युवक का उसके घर डेढ़ साल से आना-जाना था। इस बीच आरोपी ने उसकी बेटी के साथ दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देने लगा। अक्तूबर के पहले सप्ताह में बेटी ने आप बीती सुनाई। आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने चौकी और थाने गई।लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इस बीच आरोपित ने अपने भाई के साथ उसके घर पहुंचकर धमकी दी। पड़ोसियों के दौड़ाने पर दोनों भाग निकले।

अश्लील वीडियो बना करता था ब्लैकमेल

वाराणसी नगर निगम की कमाई भी और वरुणा नदी की सफाई भी

डॉ.एस.के.मिश्र ज़िला संवाददाता

वाराणसी,(उत्तरशक्ति)। वरूणा नदी से निकलने वाले प्लास्टिक को रिसाइकिल कर इसका दोबारा इस्तेमाल किया जाएगा। इससे नगर निगम को कमाई होगी। वहीं नदी भी साफ होगी। प्लास्टिक को रिसाइकल कर इस्तेमाल करने लायक बनाया जाएगा। इसके लिए वरूणा पार इलाके में एक सेंटर खोला गया है। दरअसल वरूणा नदी से रोजाना 250 से 300 किलो प्लास्टिक निकलता है। इसे एकत्र करने के लिए नगर निगम ने एक दर्जन से अधिक सफाई कर्मचारियों की टीम लगाई है। प्लास्टिक फिशर नाम की एक जर्मन कंपनी ने प्लास्टिक कचरा इकट्ठा किया थ। एक साल में कंपनी लगभग 38 टन प्लास्टिक इकट्ठा कर चुकी है। रिसाइकिल प्लास्टिक से बोर्ड्स, फर्नीचर और टाइल्स बनेंगे प्लास्टिक को इकट्ठा करने के बाद उसे सूखाया जाता है। मेरेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर में रिसाइकिल प्लास्टिक वेस्ट को अलग किया जाता है। नान रिसाइकिल और सिंगल यूज प्लास्टिक को अलग किया जाता है, जिसे सीमेंट प्लांट भेजा जाता है। इन प्लास्टिक को बोर्ड्स, फर्नीचर और टाइल्स बनाने में इस्तेमाल किया जाता है। नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने बताया कि वरूणा से प्लास्टिक निकालने के लिए एक संस्था से अनुबंध किया गया है। संस्था प्लास्टिक निकालेगी। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ ही प्लास्टिक को रिसाइकिल कर दोबारा इस्तेमाल करने से आय भी होगी।

मटरू बिंद की मौत पर मानवाधिकार आयोग ने मांगी रिपोर्ट

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। शाहगंज कोतवाली में मटरू बिंद की पुलिस अभिरक्षा में मौत के मामले में राज्य मानवाधिकार आयोग ने जिलाधिकारी से जांच रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने जांच पूरी करने की समय सीमा 20 नवंबर तय की है। यह मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकील डॉ. गजेंद्र सिंह यादव द्वारा दर्ज कराया गया था।जिसमें उन्होंने मटरू बिंद की हिरासत में मौत की निष्पक्ष जांच की मांग की थी। घटना शनिवार की सुबह शाहगंज कोतवाली के शौचालय में हुई थी। जहां पुलिस का दावा है कि मटरू बिंद ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। हालांकि, परिजनों ने पुलिस पर हत्या का आरोप लगाया है। ज्ञात हो कि मटरू बिंद, जो बड़ौना गांव के निवासी थे। पुलिस ने उचक्कागिरी के आरोप में शुक्रवार को हिरासत में लिया था। घटना के दिन वह पुलिस हिरासत में था। पुलिस के अनुसार, वह सुबह शौचालय गए और काफी समय तक बाहर नहीं निकले। जब देखा गया तो वह फंदे से लटक रहे थे। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने शुरूआत में घटना को छिपाने की कोशिश की। थाना प्रभारी ने इस बात को टालने का प्रयास किया। लेकिन परिजनों और अधिवक्ता द्वारा उठाए गए सवालों के बाद यह मामला संदिग्ध बन गया। डॉ. गजेंद्र सिंह यादव ने मांग की है कि मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और दोषी पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई हो ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके।

खुटहन पुलिस ने हत्या के 4 वांछित अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। थाना खुटहन पुलिस टीम द्वारा हत्या के 04 वांछित अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार। पुलिस अधीक्षक जौनपुर, डा0 अजय पाल शर्मा द्वारा अपराध की रोकथाम एवं वांछित आपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के दिशा निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष दिव्य प्रकाश सिंह मय हमराह का0 शशांक त्रिवेदी का0 राहुल कनौजिया का0 रबिन्द्र कुमार मय गाडी सरकारी यूपी 62 एजी 0413 मय चालक हे0का0 रबिन्द्र कुमार द्वारा मु0अ0सं0 315/2024 धारा 137(2)/140(1)/103(1) / 238 बी0एन0एस0 में वांछित 04 अभियुक्तगण 1. नूरुल्लाह पुत्र असदली 2. अकबर पुत्र नूरुल्लाह 3. असगर पुत्र नूरुल्लाह 4. मजनू उर्फ हैदर पुत्र नूरुल्लाह निवासीगण ख्वाजापुर थाना खुटहन जौनपुर को दिनांक 23.10.2024 को समय 13.52 बजे विशुनपुर चौराहा थाना खुटहन जनपद जौनपुर से गिरफ्तार किया गया। आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए मा0 न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण-1. नूरुल्लाह पुत्र असदली निवासी ग्राम ख्वाजापुर थाना खुटहन जौनपुर। 2. अकबर पुत्र नूरुल्लाह निवासी ग्राम ख्वाजापुर थाना खुटहन जौनपुर। 3. असगर पुत्र नूरुल्लाह निवासी ग्राम ख्वाजापुर थाना खुटहन जौनपुर। 4. मजनू उर्फ हैदर पुत्र नूरुल्लाह निवासी ग्राम ख्वाजापुर थाना खुटहन जौनपुर।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मतदेय स्थलों एवं संक्षिप्त पुनरीक्षण के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में मतदेय स्थलों एवं अहर्ता तिथि 01 जनवरी 2025 के आधार पर निर्वाचक नामालियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के सम्बन्ध में बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई।बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि अहर्ता तिथि 01 जनवरी 2025 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कराने के निर्देश परिचालित करते हुए पुनरीक्षण से पूर्व एवं पुनरीक्षण की विभिन्न गतिविधियां/कार्यक्रम एवं उनकी तिथियों को आयोग द्वारा तिथियां निर्धारित की गयी है। निर्वाचक नामावली के अन्तिम प्रकाशन 29 अक्टूबर 2024, दावा/आपत्ति प्रस्तुत किये जाने की तिथि 29 अक्टूबर 2024, विशेष अभियान तिथियां 09 नवम्बर 2024, 10 नवम्बर 2024, 23 नवम्बर 2024, 24 नवम्बर 2024 है। फार्मो के निस्तारण की अवधि 24 दिसम्बर 2024, निर्वाचक नामावली के अन्तिम प्रकाशन 06 जनवरी 2025 निर्धारित की गयी है।आयोग द्वारा जारी कार्यक्रमानुसार 29 अक्टूबर 2024 को मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन पदाभिहित स्थलों (मतदेय स्थलों) निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय पर किया जायेगा। प्रकाशित अवधि में मतदाता सूची निरीक्षण हेतु निःशुल्क उपलब्ध रहेगी।आलेख्य प्रकाशन अवधि में 29 अक्टूबर 2024 से 28 नवम्बर 2024 तक जनपद में कुल नियुक्त 353 बूथ लेविल ऑफिसर द्वारा छूटे हुए मतदाताओं के नाम

सम्मिलित करने हेतु नियत प्रारूप 6 भराकर प्राप्त करने की कार्यवाही की जायेगी। मतदाता सूची में सम्मिलित मृतक, डबल, शिफ्टेड मतदाताओं के नाम विलोपित किये जाने हेतु नियत प्रारूप-7 प्राप्त करने की कार्यवाही की जायेगी। मतदाता सूची में किसी भी प्रविष्टि में संशोधन किये जाने, निवास परिवर्तन किये जाने, दिव्यांग के चिन्हीकरण एवं फोटो पहचान पत्र नष्ट या खोने पर दुबारा बनवाये जाने हेतु नियत प्रारूप-8 पर भराकर कार्यवाही की जायेगी।आलेख्य प्रकाशन अवधि के मध्य विशेष अभियान तिथि को बीएलओ अपने मतदेय स्थल पर उपरोक्त कार्यवाही हेतु प्रातः 10.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक उपस्थित रहकर कार्य करेंगे। मतदाता सूची में नाम सम्मिलित, अपमार्जित एवं संशोधित करने हेतु आनलाइन पोर्टल एवीएसपी, वोटर पोर्टल, वोटर हेल्पलाईन NVSP VOTER PORTAL VOTER-HELLPLINE APP के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है।राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि आप अपना स्वयं एवं अपने कार्यकताओं के नामों की जाँच कर लें यदि किसी का नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित होने से छूटा हो तो नियत प्रारूप पर दावा अवश्य प्रस्तुत किया जाय ताकि ससमय नाम सम्मिलित कराने की कार्यवाही की जा सके। निर्वाचक नामावली त्रुटिरहित रहनी चाहिए, डुप्लीकेसी नहीं होनी चाहिए तथा किसी भी व्यक्ति का नाम एक से अधिक विधानसभा क्षेत्र में नहीं होना चाहिए।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह, राजनैतिक दलों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

उत्तर भारतीय भाजपा नेताओं के लिए महाराष्ट्र चुनाव खोदा पहाड़ निकली चुहिया!

-शिवपूजन पांडे, वरिष्ठ पत्रकार

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर सबसे ज्यादा उत्साहित उत्तर भारतीय समाज के नेताओं को टिकट की रेस से जिस तरह से साइड लाइन किया गया, उसे देखते हुए खोदा पहाड़ निकली चुहिया वाली कहावत चरितार्थ होती नजर आ रही है। इसमें जरा भी संदेह नहीं कि मुंबई में उत्तर भारतीय मतदाताओं की संख्या निर्णायक स्थिति में है, परंतु यह भी सच है कि उत्तर भारतीय मतदाता कई खेमों में बैठे हुए हैं। यहां तक कि एक ही पार्टी के नेताओं के अलग-अलग पावर बैंक खुले हुए हैं। उत्तर भारतीय मतदाताओं का सबसे बड़ा भाग भाजपा के साथ जुड़ा हुआ है। ऐसे में उत्तर भारतीय नेताओं द्वारा टिकट मांगना न्यायिक और पार्टी के लिए फायदेमंद भी था। उत्तर भारतीय मतदाताओं को पूरी उम्मीद थी कि बीजेपी कम से कम पांच नेताओं को टिकट अवश्य देगी, परंतु सिर्फ विद्या ठाकुर को ही टिकट दिया गया। उत्तर पश्चिम मुंबई और उत्तर मुंबई की अनेक सीटों पर गौर करें तो यहां कम से कम 15 से 25 प्रतिशत उत्तर भारतीय हैं। ऐसे में इन स्थानों पर उत्तर भारतीय चेहरों

को मैदान में उतारकर भाजपा एक सुनिश्चित जीत हासिल कर सकती थी। अनेक नेताओं ने जमीनी स्तर पर पूरी तैयारी भी कर रखी थी। संपर्क से लेकर विश्वास हासिल करने तक सारी प्रक्रियाएं पूर्ण हो चुकी थी। परंतु जिस तरह से पार्टी द्वारा उत्तर भारतीय नेताओं को लाल झंडी दिखाई गई, उससे उनकी सारी तैयारियों पर पानी फिर गया। राजहंस सिंह, ठाकुर रमेश सिंह, अमरजीत सिंह, संजय उपाध्याय, विनोद मिश्रा, संजय पांडे, आर यू सिंह, दीपक नंदलाल सिंह, अमरजीत मिश्रा, नरेंद्र मोहन कृपाशंकर सिंह, ज्ञान मूर्ति शर्मा, जयप्रकाश सिंह, नितेश राजहंस सिंह, उदय प्रताप सिंह, बृजेश सिंह, संजय ठाकुर जैसे दर्जनों ऐसे उत्तर भारतीय नेताओं के नाम हैं, जो पूरी तैयारी और ताकत के साथ चुनाव लड़कर जीत सकते थे। वैसे इस बार का चुनाव भाजपा के लिए अत्यंत चुनौती पूर्ण है। यही कारण है कि वह फूंक फूंक कर कदम उठा रही है। परंतु मुंबई में टिकट बंटवारे को लेकर उसकी दूरदर्शिता पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। कांग्रेस के शासनकाल में उत्तर भारतीय नेताओं का जो जलवा रहा, उसकी वापसी संभव नहीं है। आज कोई भी उत्तर भारतीय नेता इस स्थिति में नहीं है कि वह कॉर्पोरेशन चुनाव में भी किसी को टिकट दिलाने की गारंटी दे सके। भाजपा के प्रदेश कमान ने पूरी तरह से मान लिया है कि उत्तर भारतीय योगी और मोदी को छोड़कर कहीं और जाने वाले नही हैं। मुंबई के बाहर की बात करें तो मीरा भायंदर और नालासोपारा ऐसी विधानसभा है, जहां उत्तर भारतीय प्रत्याशी आसानी से जीत हासिल कर सकता है। मीरा भायंदर महानगरपालिका में लगातार चार बार नगरसेवक चुने जाने वाले मदन उदितनारायण सिंह और नालासोपारा से कृपाशंकर सिंह को टिकट देकर वहां की अनिश्चित स्थिति को निश्चित जीत में बदला जा सकता था। एक उत्तर भारतीय युवा नेता के अनुसार बीजेपी जेहन में बपौती, टिकट की कटौती वाले ढर्रे पर चल रही है। परिवारवाद का विरोध करने वाली भाजपा के प्रत्याशियों पर नजर दौड़ाएं तो उसकी कथनी और करनी में स्पष्ट अंतर दिखाई दे रहा है।

माटी कला मेले का एमएलसी धर्मेंद्र राय ने किया शुभारंभ

-सुरेश गांधी

वाराणसी। दीपावली के मौके पर उत्तर प्रदेश माटी कला बोर्ड की ओर से गुरुवार को सात दिवसीय माटीकला मेला का शुभारंभ एमएलसी धर्मेंद्र राय ने किया। शहर के चौकाघाट सांस्कृतिक संकुल प्रांगण के अर्बन हॉट में आयोजित इस प्रदर्शनी में माटीकला से संबंधित सभी प्रकार के उत्पाद उपलब्ध हैं। जिसमें माटीकला बोर्ड द्वारा डाई से बनी लक्ष्मी-गणेश जी की मूर्ति, आजमगढ़ की ब्लैक पाटरी, गोरखपुर का टेराकोटा, खुर्जा की ग्लेज्ड पॉटरी और डिजाइनर दीये इस प्रदर्शनी का विशेष आकर्षण है। खास यह है कि माटीकला से बने उत्पाद लोगों को काफी भा रहे है और उनकी अच्छी बिक्री भी हो रही है। इस मौके पर एमएलसी धर्मेंद्र राय ने कहा कि इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य प्रजापति समाज के उत्थान के लिए दीपावली के मौके पर

उनके समानो की बिक्री बढ़ाने व आय में वृद्धि हेतु एक छत के नीचे उपभोक्ताओं को माटीकला के विभिन्न उत्पादों को मुहैया कराना है। मेले में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आये शिल्पकारों एवं कारीगरों द्वारा 20 से ज्यादा स्टॉल लगाकर मिट्टी से निर्मित अपनी उत्कृष्ट कलाकृतियों का प्रदर्शन किया जा रहा है। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि उमेश कुमार सिंह संयुक्त आयुक्त उद्योग जिला उद्योग एवं उद्यमिता प्रोत्साहन केन्द्र वाराणसी मंडल, एसपी खण्डेलवाल निदेशक खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, मोहन कुमार शर्मा, अरुण कुमार कुरील, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी यूपी सिंह, रघुनाथ चौधरी, संजय, अमन जायसवाल, अमन शर्मा आदि उपस्थित रहे। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी यूपी सिंह ने बताया कि प्रदर्शनी में वाराणसी के अतिरिक्त चंदौली, गोरखपुर, चुनार, मिजार्पुर आदि जनपदों के निर्मित माटी के खिलौने, कोलार, थाली, गिलास, दीया, मूर्तियों की स्टॉले लगी हैं। माटी कला मेला का मुख्य उद्देश्य मिट्टी का कार्य करने वाले कलाकारों, शिल्पियों के व्यवसाय में वृद्धि करने के अलावा परंपरागत कला को संरक्षित कर उनकी सामाजिक, आर्थिक, सुरक्षा एवं तकनीकी विकास को बढ़ावा देना है। यूपी सिंह ने आम जनता से भी अपील की है कि दीपावली के शुभ अवसर पर इस प्रदर्शनी में अधिक से अधिक लोग आये और शिल्पकारों द्वारा मिट्टी से निर्मित कलात्मक एवं आकर्षक कलाकृतियों की खरीदारी करे और इसका लाभ उठाये। यूपी सिंह ने बताया कि इस प्रदर्शनी में माटी कला से सम्बन्धित सभी प्रकार के उत्पाद उपलब्ध है। प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण बोर्ड द्वारा वितरित डाई से निर्मित श्री लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति, लखनऊ के सिरेमिक्स कलात्मक उत्पाद, आजमगढ़ की ब्लैक पॉटरी, गोरखपुर का टेराकोटा, कानपुर के मिटट्टी से निर्मित बर्तन, खुर्जा के चीनी मिटट्टी से बने उत्पाद व अन्य सजावटी सामान एवं विभिन्न प्रकार के डिजाइनर दिये तथा अलग-अलग जनपदों से विभिन्न विधाओं से निर्मित उत्पाद बिकी हेतु उपलब्ध है।

लोगों ने थामा भाजपा का दामन

वसई रोड। वसई रोड भाजपा मण्डल अध्यक्ष महेश सरवणकर की अध्यक्षता तथा उद्योगपती भाजपा वरिष्ठनेता शेखर धुरी दादा की मौजूदगी में भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में कई लोगों शामिल हुए। भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष कल्पेश पांडे, मंडळ सरचिटणीस दीपक शर्मा, एस सी मोर्चा अध्यक्ष अर्जुन इंगोले, एस टी मोर्चा अध्यक्ष चेतन पागी आदि ने सभी का स्वागत किया।

ओसवाल नगरी नर्मदेश्वर शिव मंदिर पर श्रीमद् भागवत कथा 12 नवंबर से

नालासोपारा (उत्तर शक्ति)। नालासोपारा पूर्व ओसवाल धर्म नगरी स्थित श्री नर्मदेश्वर महादेव शिव मंदिर पर श्री मद्भागवत कथा का आयोजक प्रेम कृष्ण तिवारी लक्ष्मी रियल एस्टेट एजेंसी संचालक, आयोजक भगवान शिव तथा ओसवाल नगरी के सभी शिवभक्तों द्वारा 12 नवंबर 2024 मंगलवार को श्रीमदभागवत ज्ञान यज्ञ कथा का आयोजन किया जा रहा है। सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार व हिंदू धर्म की रक्षा हेतु आयोजित सार्वजनिक संगीतमय श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ नालासोपारा पूर्व में ओसवाल नगरी जिसे आज धर्मसार नगरी भी कहा जाता है, इस धर्म नगरी में वृंदावन की कथा वाचक साध्वी भाग्यश्री देवी जी ने अपने मुखारविंद से अमृत रुपी वर्षा करेंगी। सभी शिव भक्तों से निवेदन है कि ठीक समय पर पधार कर श्री मद्भागवत कथा को सफल बनाएं। श्री मद्भागवत कथा का शुरूआत मंगलवार 12 नवंबर 2024 को शोभा कलशयात्रा सुबह 10 बजे से प्रारंभ होगा। उसी दिन शाम 4 बजे से 8 बजे के बीच श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सात दिवसीय कार्यक्रम का श्री गणेश होगा। कथा का पूणार्हुति 18 नवंबर 2024 दिन सोमवार को महाप्रसाद(भंडारे) के साथ संपन्न होगा। यह जानकारी व्यवस्थापक प्रेम कृष्ण तिवारी ने प्रेस विज्ञाप्ति के माध्यम से दी है।

उत्साह का पुष्य नक्षत्र... महाखरीदारी से, दमका बाजार 450 करोड़ का कारोबार

*** ज्वेलरी शोरूम से महिलाओं ने खरीदी टेंपल ज्वैलरी**

*** एंटीक डायमंड और गोल्ड टेंपल ज्वेलरी के अलावा गेरू पॉलिश भी बना आकर्षण का केंद्र**

*** ज्वेलरी, कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक, प्रॉपर्टी, ऑटोमोबाइल में जमकर खरीदारी, आज भी बनेगा खरीदी का रिकॉर्ड**

वाराणसी। पुष्य नक्षत्र का शुभ अवसर और आने वाला त्योहार दिवाली हो तो खरीदारी तो बनती है. ऐसे में सबसे ज्यादा शॉपिंग महिलाएं करती है. पुष्य नक्षत्र के शुभ सहयोग में खरीदारी करना शुभ भी माना जाता है. इसी कड़ी में बनारसियों ने गुरुवार को जमकर शॉपिंग की. सबसे ज्यादा भीड़ शहर के ज्वैलरी शोरूम पर देखने को मिली. इस दौरान महिलाओं ने सबसे

ज्यादा गोल्ड और डायमंड ज्वेलरी में यूनिक और आकर्षक डिजाइन को पसंद किया. व्यपारियों के मुताबिक खरीदारी के पुष्य नक्षत्र पर बाजारों में खूब धन वर्षा। दीपावली के पूर्व आए पुष्य नक्षत्र पर ज्वेलरी, कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, प्रॉपर्टी और ऑटोमोबाइल्स की ग्राहकी जोरों पर रही। गुरुवार से शुरू हुआ पुष्य नक्षत्र शुक्रवार को भी रहेगा। कारोबारियों की मानें तो पुष्य नक्षत्र में करीब 450 करोड़ का कारोबार हुआ। शुक्रवार को भी 550 करोड़ का रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। सुबह नौ बजे से ही बाजारों की दुकानें खुलनी शुरू हो गईं। शहर के गोला मंडी, विश्वेशर गंज, चौक सराफा, लहुराबीर, नयी सड़क, दाल मंडी, मलदहिया, अर्दलीबाजार, गोदौलिया, लक्शा, मैदागिन, लंका सहित सभी छोटे-बड़े बाजारों में ग्राहकों की भीड़ उमड़ी। बाजारों में पैर रखने की जगह नहीं रही। आटोमोबाइल, रियल एस्टेट, इलेक्ट्रानिक्स, सराफा, कपड़ा सहित अन्य सेक्टर का कारोबार सामान्य दिनों की अपेक्षा 20 से 25 प्रतिशत अधिक हुआ। 100 में से कुल 40 प्रतिशत कारोबार हुआ। खासकर शोरूम दुकानों पर पूरे दिन ज्वेलरी सहित दो पहिया व चार पहिया वाहन की खरीदी होती रही। इधर प्रॉपर्टी बाजार व कपड़ा बाजार में भी ग्राहकों की रौनक देखी गई। इलेक्ट्रॉनिक आइटम की भी जमकर बिक्री हुई। इस साल त्यौहार सीजन में करीब 25 से 30 फीसदी ज्यादा ग्राहकी की उम्मीद है। खास यह है कि पुष्य नक्षत्र पर एक और जहां महिलाओं ने दीपावली पर पहनने के लिए टेंपल ज्वैलरी खरीदी तो वही आने वाली शादी के सीजन के लिए भी हेवी नेकलेस इयररिंग्स में झुमकी और शादी में होने वाले अन्य कार्यक्रमों में पहनने के लिए यूनिक कलेक्शन पसंद किया. शहर के नामी ज्वेलर्स शोरूम के संचालकों का कहना है कि ज्वेलरी से महिला का खास रिश्ता होता है. ऐसे में जमाना पुराना हो या नया ज्वेलरी ट्रेड समय के साथ बदलते रहते हैं. बेडिंग सीजन को देखते हुए महिलाओं ने अपने आउटफिट्स की मैचिंग का कलेक्शन ट्राई किया तो वही दीपावली पर गर्ल्स ने पेंडेंट सेट खरीदे. इसके अलावा लोगों ने अंगूठी, चेन, पायल, गले के हार सहित अलग-अलग डिजाइन के आभूषण खरीदे। महिलाएं पतियों के साथ आभूषण खरीदने पहुंचीं।

स्क्रीनिंग और शुरूआती पहचान को प्रोत्साहित करने के लिए किया राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

मुंबई। फेडरल बैंक होर्मिस मेमोरियल फाउंडेशन और न्यूज18 नेटवर्क ने नॉलेज पार्टनर टाटा ट्रस्ट के साथ मिलकर संजीवनीः यूनाइटेड अगेंस्ट कैंसर कार्यक्रम के दूसरे चरण के तहत कैंसर जागरूकता पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। यह कार्यक्रम सभी प्रमुख हितधारकों, उद्योग के नेताओं और शीर्ष नौकरशाहों को एक मंच पर एक साथ लेकर आया और सभी ने जागरूकता बढ़ाने और कैंसर का शुरूआती चरण में पता लगाने के बारे में चर्चा की। भारत में, एक अनुमान के मुताबिक हर साल लगभग 15 लाख कैंसर के मामले सामने आते हैं, अमेरिका और चीन के बाद भारत तीसरा सबसे अधिक कैंसर मामलों वाला देश बन गया है। भारत में कैंसर की बढ़ती महामारी से निपटने के लिए, संजीवनी पिछले कई वर्षों से दुनियाभर में मृत्यु की दूसरी सबसे बड़ी वजह इस भयानक बीमारी के बारे में चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए साझेदारी के माध्यम से काम कर रही है। फायरसाइड चैट सेशन में बोलते हुए, बॉलीवुड अभिनेत्री और संजीवनीः यूनाइटेड अगेंस्ट कैंसर पहल की राष्ट्रीय एम्बैस्डर विद्या बालन ने कहा, ज्यादातर लोगों की तरह, मैं भी हमेशा से कैंसर से डरती रही हूं। यह एक ऐसी दिशा थी जिस ओर मैं कभी नहीं देखना चाहती थी लेकिन दो साल पहले जब मेरे किसी प्रियजन को इस बीमारी का पता चला तब मजबूरी में मुझे इसका सामना करना पड़ा। तब मुझे इस बात का एहसास हुआ कि इस बीमारी का पता जल्दी चल गया था, इसलिए वह तुरंत इलाज करवा सके और इसलिए आज वह स्वस्थ जीवन जी रहे हैं। कैंसर का डर इतना ज्यादा है कि यह अक्सर हमें इस तथ्य की वास्तविकता से अंधा कर देता है कि नियमित जांच और शुरूआती चरण में इसकी पहचान बीमारी को हराने में में हमारी मदद कर सकता है।

कोंकण की जनता का समर्थन सिर्फ महायुति को: नामदार रवींद्र चव्हाण

ठाणे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हमारी महायुति सरकार ने कोंकण के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। इसीलिए लोकसभा चुनाव में कोंकण की जनता ने महायुति को भर भर के वोट दिए। कोंकण में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में कोंकण के वासियों का समर्थन सिर्फ महायुति को मिलेगा, ऐसा वक्तव्य कोंकण के भाजपा के प्रमुख नेता रविंद्र चव्हाण ने 23 अक्टूबर 2024 को रत्नागिरी में आयोजित बैठकों के माध्यम से किया है। भाजपा द्वारा प्रचार प्रमुख का पद सौंपे जाने के बाद रवींद्र चव्हाण ने डोंबिवली विधानसभा क्षेत्र के साथ-साथ पूरे महाराष्ट्र में कार्यकताओं के साथ बातचीत करने के लिए बैठकें करना शुरू कर दिया है। चव्हाण ने सोमवार को मां भराड़ी देवी के दर्शन कर सिंधुदुर्ग जिले के भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया। रविंद्र चव्हाण की बैठकों का सिलसिला अगले पुरे महीने तक शुरू रहेगा। बुधवार को रवींद्र चव्हाण ने रत्नागिरी जिले में बीजेपी पदाधिकारियों और कार्यकताओं की बैठक ली और उनसे विस्तार से बातचीत की। रविंद्र चव्हाण ने महायुति के फैसलों को घर-घर पहुंचाने की बात कहकर महाराष्ट्र में महायुति के मुख्यमंत्री बनने का विश्वास भी जताया। रत्नागिरी दौरे के दौरान उदय सामंत और किरण सामंत ने रविंद्र चव्हाण से मुलाकात की। इस मौके पर दोनों सामंत बंधुओं ने रविंद्र चव्हाण से प्रचार अभियान को लेकर सकारात्मक चर्चा की। रत्नागिरी और राजापुर इन दो विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी, उसी के अनुरूप इस मुलाकात का आयोजन किया गया था। रवींद्र चव्हाण के इस दौरे से रत्नागिरी जिले के बीजेपी कार्यकताओं में उत्साह का माहौल है और सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता जोर-शोर से प्रचार में जुट गए हैं।

विद्यार्थियों ने दरोगा बहाली परीक्षा में बाजी मारी

पटना। बिहार के सपूतों ने एक बार फिर साबित किया है कि मेहनत और लगन से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। जी हाँ, हम बात कर रहे हैं पटना के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान ज्ञान बिन्दु जी. एस. एकेडमी की, जहां के विद्यार्थियों ने बिहार के दरोगा बहाली परीक्षा में बाजी मारी है। आज इस विशेष अवसर पर, ज्ञान बिन्दु जीएस एकेडमी कोचिंग संस्थान ने अपने उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया जिन्होंने दरोगा भर्ती परीक्षा में 1 से 20 रैंक हासिल किया है। सम्मान समारोह में इन सभी सफल विद्यार्थियों को ज्ञान बिन्दु जीएस एकेडमी कोचिंग के प्रबंधक रौशन आनंद द्वारा बुलेट मोटरसाइकिल भेंट की गई। यह एक अनोखी और प्रेरणादायक पहल थी, जो न केवल विद्यार्थियों की मेहनत का सम्मान करती है।

मेनिनजाइटिस की रोकथाम : आपके प्रियजनों के लिए अंतिम ढाल

मुंबई। मेनिनजाइटिस एक गंभीर टीका रोकथाम योग्य संक्रमण है जो विशेष रूप से बच्चों के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ पैदा करता है। विश्व मेनिनजाइटिस दिवस का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना और इस बीमारी को हराने के लिए वैश्विक प्रयासों को बढ़ावा देना, प्रारंभिक पहचान की जीवनरक्षक क्षमता को बढ़ावा देना और टीकाकरण के माध्यम से इसकी रोकथाम करना है।

हर साल वैश्विक स्तर पर 2.5 करोड़ से अधिक मामले सामने आने के साथ, मेनिनजाइटिस एक गंभीर स्वास्थ्य संकट का प्रतिनिधित्व करता है, क्योंकि इस बीमारी से मरने वालों में से लगभग 70% पांच साल से कम उम्र के बच्चे हैं। मेनिनजाइटिस मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी (मेनिन्जेस) के आसपास की परत की सूजन है और यह आमतौर पर बैक्टीरिया, फंगल या वायरल संक्रमण के कारण होता है। मेनिनजाइटिस के रोगियों की नैदानिक विशेषताएं कारण, रोग के पाठ्यक्रम (एक्यूट, उप-एक्यूट या क्रोनिक), मस्तिष्क की भागीदारी (मेनिंगो-एन्सेफलाइटिस) और प्रणालीगत जटिलताओं (जैसे, सेप्सिस) के आधार पर भिन्न होती हैं। मेनिनजाइटिस के सामान्य लक्षण हैं गर्दन में अकड़न, बुखार, भ्रम या बदली हुई मानसिक स्थिति, सिरदर्द, मतली और उल्टी। दौरे, कोमा और तंत्रिका संबंधी कमी (उदाहरण के लिए श्रवण या दृष्टि हानि, संज्ञानात्मक हानि, या अंगों की कमजोरी) कम आम लक्षण हैं।

भारत मेनिनजाइटिस से संबंधित मौतों की सबसे अधिक संख्या वाले शीर्ष तीन देशों में से एक है। एक्यूट बैक्टीरियल मेनिनजाइटिस का कारण बनने वाले तीन रोगजनकों में से, निसेरिया मेनिंगिटिडिस उपचार के बावजूद 15% तक की उच्च मृत्यु दर और अनुपचारित होने पर 50% तक की उच्च मृत्यु दर के लिए जिम्मेदार है। अध्ययनों से पता चला है कि 2 वर्ष से कम उम्र के भारतीय बच्चों में एक्यूट बैक्टीरियल मेनिनजाइटिस का कारण बनने वाले निसेरिया मेनिंगिटिडिस की घटनाओं में वृद्धि देखी गई है।

सल्तनत बहादुर महाविद्यालय में निबंध प्रतियोगिता आयोजित

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति) स्थानीय क्षेत्र के सल्तनत बहादुर पी जी कालेज बदलापुर जौनपुर में दिनांक 24.10.2024 को मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत पांचवें चरण में ₹भारतीय समाज में नारियों की स्थिति₹ विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर सुनील प्रताप सिंह, पूर्व प्राचार्य प्रो.ब्रजेंद्र सिंह,राजनीति विज्ञान के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.कर्मचन्द यादव, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ.कुलदीप शुक्ला, विभागाध्यक्ष गृह विज्ञान डॉ.किरन यादव ने अपने-अपने संबोधन में छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट लेखन शैली की विशेषताओं से परिचित कराया,जिससे अपने ज्ञान एवं अनुभव के आधार पर अच्छा लेखन किया सकता है। महाविद्यालय में मिशन शक्ति कार्यक्रम की संयोजक डॉ. पूनम श्रीवास्तव ने बताया कि इस प्रतियोगिता में बी ए प्रथम , तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर के छात्र/छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता की। अंजली, काजल, रत्नेश, शिवशांत, सिद्धार्थ, दीपक साहिल, कुंदन, विजय, मनीष, जानकी, शशिप्रभा, गायत्री, निर्जला, खुशी सोनाली, श्रुति,ज्योति, अनामिका,गरिमा, पूजा, प्रिया, रजनी, ईशा, राधिका नेहा, श्वेता, श्रेया सहित बड़ी संख्या में छात्र/छात्राओं ने निबंध के माध्यम से नारी की स्थिति पर अपने विचार अभिव्यक्त किया।

आक्रोशित अधिवक्ताओं ने तहसील में किया हंगामा

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। मछलीशहर उप जिला मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार ने बुद्धवार की रात नई बिल्डिंग के बरामदे से अधिवक्ताओं की मेज,कुर्सी हटवा दिया।गुरुवार को सुबह तहसील खुलते ही आक्रोशित अधिवक्ताओं का समूह तहसील में हंगामा शुरू कर दिया। भारी संख्या में अधिवक्ता तहसील में नारेबाजी करते हुए मुख्य गेट बंद कर दिया और धरने पर बैठ गए और सभी न्यायालयों में भी ताला लगवा दिया।जब उपजिला मजिस्ट्रेट की गाड़ी गेट पर आई तो अधिवक्ता उनके वाहन को घेर लिया गया और वापस जाओ वापस जाओ, की नारेबाजी करते हुए तहसील के अंदर जाने नहीं दिया। इसके बाद क्षेत्राधिकारी गिरेंद्र सिंह ने सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस सहित कई थानों की फोर्स बुलवा लिया। काफी मशक्कत के बाद उप जिला मजिस्ट्रेट को उनके कार्यालय में पैदल पहुंचाया गया। जबकि उनका वाहन कई घंटे अधिवक्ताओं के कब्जे में रहा। उपजिला मजिस्ट्रेट ने अध्यक्ष जगदम्बा प्रसाद मिश्र एवं महामंत्री वेद प्रकाश श्रीवास्तव सहित संघ के पदाधिकारियों को वार्ता के लिए बुलाया तो अधिवक्ताओं ने नहीं जाने दिया।

आरोग्य सप्ताह के तहत महिलाओं के स्वास्थ्य पर हुई व्याख्यान शाला

उदयपुरवाटी। कस्बे की राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में आरोग्य सप्ताह के तहत महिलाओं के स्वास्थ्य पर व्याख्यान शाला का आयोजन हुआ। प्रधानाचार्य बीएल महरिया की अध्यक्षता में आयोजित हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडवोकेट मोतीलाल सैनी थे। इस अवसर पर कार्यक्रम प्रभारी वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेन्द्र कुमावत ने महिलाओं के स्वास्थ्य पर व्याख्यान देते हुए कहा की दादी नानी के नुस्खों से निकलकर आयुर्वेद आज इंटरनेट पर अपने विशेष गुणों के कारण जा पहुँचा है, लेकिन ज्ञान के अभाव में आज भी माने आयुर्वेद अपने रसोई घर में ही छुपी हुई है, इसलिए सैदव निरोग रहने के लिए हमें अपने जीवन में आयुर्वेद को महत्व देना चाहिए। हमें आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए अपने घर - रसोई में रखे दूध,दही,सूखे मसाले,सूखे मेवे,हर्बल्स उत्पाद व औषधीय पौधों के विशेष महत्व को व इनकी उपयोगिता को सेहत के लिए सही मायने में जानना जरूरी है,उन्होंने कहा आयुर्वेदिक उपचारों का मुख्य उद्देश्य उचित पोषण,रोग की रोकथाम और निदान के आधार पर विशेष उपचार कर स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना है। बालिकाओं को बताया की बढ़ती उम्र में योगऔर प्राणायाम का अभ्यास जरूरी है,तो शरीर की सुंदरता के लिए हरी पत्तेदार सब्जियां और स्नेहयुक्त भोजन का सेवन करना चाहिए।नारी स्वास्थ्य के लिए सिंघाड़ा,हरा धनिया, कच्ची मूंगफली,राजमा और चावल, शतावरी का चूर्ण,ताल मखाने, अखरोट,अंजीर और अनार खाना लाभदायक रहता है,इनके सेवन से खून की कमी नहीं होती है और न ही हार्मोनल व प्रजनन संबंधी स्त्री रोग।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडवोकेट मोतीलाल सैनी ने कहा कि अच्छे एवं बेहतर स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है कि हम लोग हमारे दैनिक जीवन में योग को अपनाते हुए,संतुलित आहार का सेवन करें और बदलते मौसम के अनुसार हम अपने खान पान व रहन सहन को भी बदलते रहें प्रधानाचार्य बीएल महरिया ने शाला में हुए इस व्याख्यान आयोजन पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए डॉ. कुमावत का आभार व्यक्त किया। इस दौरान व्याख्यान शाला में उपप्रधानाचार्य रतन सैनी,बहादुर मल डाडिया, मनोज कुमार,तारामणि,सुनीता गुर्जर,दिनेश सैनी सहित विद्यालय की समस्त छात्राएं मौजूद रहीं।

कैप्री ग्लोबल कैपिटल की हरित पहल: रूफटॉप सोलर फाइनेंस के साथ ग्रीन फाइनेंस में प्रवेश

मुंबई। कैप्री ग्लोबल कैपिटल लि. (कैप्री लोन्स), एक प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी), ने एमएसएमई लोन्स के तहत अपना रूफटॉप सोलर फाइनेंस प्रोडक्ट लॉन्च किया है। ऋण मुहैया कराने वाली यह कंपनी लोगों और व्यवसायों को अपने इस्तेमाल के लिये सौर ऊर्जा की शक्ति का लाभ उठाने में मदद करेगी। इससे पर्यावरण के ज्यादा अनुकूल भविष्य का रास्ता बनेगा। कैप्री सोलर फाइनेंस परेशानी से मुक्त फाइनेंसिंग समाधान की पेशकश करती है, ? जिसमें कोलेटरल की आवश्यकता नहीं होती है और दस्तावेजों की जरूरत कम से कम होती है। ऐसे में पांच मिनट से कम समय में लोन की स्वीकृति मिल जाती है और इसका वितरण महज 4 से 6 घंटे में हो जाता है। कैप्री ग्लोबल ने नवीकरण-योग्य ऊर्जा के क्षेत्र में काम कर रहे फिनटेक क्रेडिट फेयर के साथ साझेदारी की है। इसके द्वारा ग्राहक डिजिटल तरीके से 50,000 रुपए से लेकर 2,500,000 रुपए तक के लोन प्राप्त कर सकेंगे। यह लोन प्रतिस्पर्द्धी ब्याज दरों पर मिलेंगे और इनमें सोलर मॉड्यूल्स, इनवर्टर्स, बैटरीज तथा इंस्टॉलेशन का पूरा खर्च शामिल होगा। यह अपने इस्तेमाल के लिये सोलर प्रोजेक्ट लेने का एक शानदार विकल्प बन जाएगा। क्रेडिट फेयर अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिये ऋण को अधिक सुलभ बनाएगा, ताकि ग्राहकों को बढ़िया अनुभव मिले। वर्ष 2027 तक रेसिडेंशियल रूफटॉप सोलर कैपेसिटी को बढ़ाने पर लक्षित, सरकार के नेशनल सोलर मिशन के लिये कंपनी की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए, कैप्री ग्लोबल कैपिटल लि. के सीबीओ (एमएसएमई लोन) अमर राजपुरोहित ने कहा, हम रूफटॉप सोलर फाइनेंस के क्षेत्र में जल्दी कदम रखने वाले एनबीएफसी में से एक बनने के लिये उत्सुक हैं। हम यह उम्मीद करते हैं कि वर्ष 2029 तक भारत में रूफटॉप सोलर मार्केट का आकार 34.99 गीगावाट तक पहुँच जाएगा। कैप्री सोलर फाइनेंस इस व्यवसाय में आने वाले वर्षों में 1000 करोड़ रुपए का लोन बुक साइज हासिल करना चाहती है। शुरुआत का पहला चरण राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात पर केन्द्रित होगा। साल के अंत तक हम दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड तक विस्तार करने की योजना में हैं।

भारतीय रियल एस्टेट के लिए एक उज्ज्वल दृष्टिकोण

मुंबई। जैसे-जैसे दिवाली नजदीक आती है, त्योहारों का मौसम अपने साथ आशावाद की एक नई भावना लाता है, विशेष रूप से रियल एस्टेट क्षेत्र में। दिवाली को हमेशा संपत्ति में निवेश करने के लिए सबसे शुभ समय में से एक माना जाता है, और यह वर्ष भी इससे अलग नहीं है। अपेक्षाकृत मंदी की अवधि के बाद, भारतीय रियल एस्टेट बाजार मजबूत आर्थिक बुनियादी बातों और उत्सव के उत्साह के कारण वापस उछाल के लिए तैयार है। पिछले कुछ महीनों में बाजार में शांति देखी गई, आंशिक रूप से आम चुनावों और निवेशकों के बीच सतर्क मनोदशा के कारण, कम नई संपत्ति लॉन्च के कारण। लेकिन इस दिवाली, बदलाव की हवा चल रही है, और यह क्षेत्र गतिविधि की एक नई लहर के लिए तैयार हो रहा है। चाहे आप पहली बार घर खरीदने वाले हों या एक अनुभवी निवेशक, बाजार अवसरों से भरा हुआ है। भारत की अर्थव्यवस्था एक मजबूत विकास पथ पर है, और यह अचल संपत्ति के फलने-फूलने के लिए मंच तैयार कर रही है। वर्तमान में, लगभग 3.5 ट्रिलियन डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद के साथ, भारत में 2047 तक 40 ट्रिलियन डॉलर के करीब पहुंचने के लिए प्रवृत्ति यहां वृद्धि देखने का अनुमान है। रियल एस्टेट, जिसका मूल्य पहले से ही लगभग 450 बिलियन डॉलर है, के 2050 तक 6,000-8,000 बिलियन डॉलर से अधिक होने की उम्मीद है। यह ऊपर की ओर बढ़ने की प्रवृत्ति तेजी से शहरीकरण, उच्च डिस्पोजेबल आय और सभी क्षेत्रों में घरों की बढ़ती मांग से प्रेरित है। विश्व स्तर पर, भारत को एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में पहचाना जा रहा है, और यह सकारात्मक भावना अचल संपत्ति बाजार में भी आ रही है।

भाजपा द्वारा ठाणे जिला के सचिव पद पर किया गया अभिषेक मिश्रा की नियुक्ति

ठाणे (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी ने ठाणे जिला के अभिषेक मिश्रा को सचिव पद की नियुक्ति देकर नई नीतियों के साथ पार्टी को आगे बढ़ाने की योजना बनाई है। यह निर्णय पार्टी के विकास और समर्थन को बढ़ाने के लिए किया गया है। भाजपा एक राष्ट्रवादी राजनीतिक दल है जो भारत को एक सुदृढ़, समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित करने के लिए दृढ़ संकल्प है। बता दें कि पार्टी का गठन 6 अप्रैल, 1980 को नई दिल्ली के कोटला मैदान में आयोजित एक कार्यकर्ता अधिवेशन में किया गया था। जिसके प्रथम अध्यक्ष सम्माननीय अटल बिहारी वाजपेयी जी निर्वाचित हुए थे। अब अभिषेक मिश्रा की नई नियुक्ति से पार्टी को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी और नई नीतियों को लागू करने में सहायता मिलेगी। यह निर्णय पार्टी के विकास और समर्थन को बढ़ाने के लिए किया गया है। महिलाओं में अग्रसर भूमिका निभाने वाली श्रीमती श्रद्धा दुबे को ठाणे जिले के उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। इस विशेष अवसर पर आज ठाणे जिले में मतदाताओं के बीच में बड़ा ही उत्साह पूर्वक माहौल रहा। जिले में कार्य करने के लिए काफी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर ठाणे जिले के भाजपा अध्यक्ष संजय वाघुले, सूरज दलवी, एवं समाजसेवी रतन मिश्रा तथा अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे।